सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

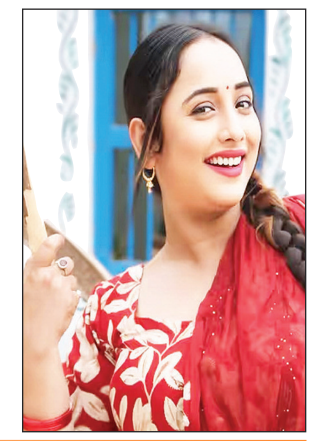

बीजों का सुरक्षित भण्डारण पेज: 7 | रानी और संजना दिखेगे अलग अदाज में... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 17 | शनिवार 18 अप्रैल 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में बड़ी कार्रवाई, आगरा से 15वां आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। चर्चित रोहित शेट्टी फायरिंग मामले में जांच एजेंसियों को एक और बड़ी सफलता मिली है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा से फरार आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ 'गाठ' को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश एसटीएफ के साथ संयुक्त रूप से की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी घटना के समय मौके पर मौजूद था और वारदात के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई राज्यों में छापेमारी की जा रही थी, जिसके बाद उसे आगरा से पकड़ा गया। इस गिरफ्तारी के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 15 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच एजेंसियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों में शूटर, हथियार सप्लायर और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने वाले लोग शामिल हैं। इससे पहले 14 अन्य आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया जा चुका था। यह मामला 31 जनवरी की रात जुहू स्थित फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के घर के बाहर हुई फायरिंग से जुड़ा है। अज्ञात हमलावरों ने इमारत की पहली मंजिल को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां चलाई थीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हमला कथित रूप से उगाही (एक्सटॉर्शन) के उद्देश्य से किया गया था। आरोप है कि इस वारदात के लिए शूटरों को पैसों का लालच दिया गया था। मुख्य शूटर दीपक शर्मा को कथित तौर पर 15 लाख रुपये देने का वादा किया गया था, जिसमें से 50 हजार रुपये एडवांस के रूप में दिए गए थे। फिलहाल पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और बाकी फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

तमिलनाडु चुनाव 2026 में बड़ी सख्ती, 800 करोड़ से अधिक की नकदी व सामान जब्त

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 2026 के बीच चुनाव आयोग और प्रवर्तन एजेंसियों की सख्त निगरानी के चलते अब तक लगभग 800 करोड़ रुपये की नकदी, कीमती सामान और अन्य अवैध वस्तुएं जब्त की जा चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में लगभग दोगुना बताया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2021 के चुनाव में कुल 446.28 करोड़ रुपये के उपहार और कीमती धातुएं तथा 236.70 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई थी। उस समय जब्त सामान का एक बड़ा हिस्सा वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के बाद वापस कर दिया गया था। इस बार की कार्रवाई पहले से अधिक सख्त दिखाई दे रही है। बुधवार तक की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक करीब 800 करोड़ रुपये की जब्ती हो चुकी है, जिसमें नकदी, सोना-चांदी, नशीले पदार्थ और शराब शामिल हैं। इनमें से 126.64 करोड़ रुपये की नकदी ऐसी पाई गई है जिसके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों का सामान जब्त किया गया है, वे उचित दस्तावेज प्रस्तुत कर उसे वापस प्राप्त कर सकते हैं। अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये की संपत्ति, जिसमें नकदी और कीमती धातुएं शामिल हैं, जांच के बाद वापस भी की जा चुकी है। पूरे राज्य में यह कार्रवाई फ्लाइंग स्क्वॉड, स्थिर निगरानी टीमों और आयकर विभाग के संयुक्त प्रयास से की जा रही है। तमिलनाडु की सभी 234 विधानसभा सीटों पर टीमें 24 घंटे सक्रिय हैं और वाहनों की जांच से लेकर संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बीजेपी विधायक के बेटे की थार से 5 लोग कुचले, वीडियो वायरल

शिवपुरी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक गंभीर सड़क हादसे और कथित दबंगई का मामला सामने आया है, जिसमें पिछोर विधानसभा से भाजपा विधायक प्रीतम सिंह लोधी के बेटे दिनेश लोधी पर अपनी थार कार से पांच लोगों को टक्कर मारने का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। जानकारी के अनुसार, घटना करैरा थाना क्षेत्र की है। शिकायतकर्ता संजय परिहार ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ सुबह करीब 7:30 बजे बाइक से मजदूरी के लिए जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार थार कार आई और बाइक सवार तीन मजदूरों तथा पैदल चल रही दो महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे सभी लोग घायल हो गए। पीड़ितों का आरोप है कि कार दिनेश लोधी चला रहे थे और वाहन पर आगे और पीछे विधायक के जुड़े साइन भी लगे हुए थे, जिससे उसकी पहचान आसान हो रही थी। हादसे के बाद सामने आए वीडियो में दिनेश लोधी घायलों से बहस करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह यह कहते दिख रहे हैं कि उन्होंने हॉर्न और सायरन बजाया था, फिर भी लोग रास्ते से नहीं हटे। उन्होंने यह भी कहा कि वह सुबह जिम जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और वीडियो फुटेज को भी सबूत के तौर पर शामिल किया गया है। इस बीच, जानकारी यह भी सामने आई है कि आरोपी दिनेश लोधी ने खुद पुलिस से कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया है। वहीं, विधायक पिता प्रीतम सिंह लोधी ने भी कहा है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है और यदि किसी ने गलती की है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

टीसीएस नासिक कांड में किसी को नहीं बख्शेंगे, किसी को सुरक्षा नहीं मिलेगी : फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) नासिक कांड पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि किसी भी आरोपी को छोड़ा नहीं जाएगा। साथ ही इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों से हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन से जुड़े मामले नासिक से 7 कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला कर्मचारी भी शामिल है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम फडणवीस ने इस मामले को बेहद चिंताजनक बताया है। साथ ही कहा है कि कड़ी कार्रवाई की जाएगी और इसकी जड़ तक जाने के लिए जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम इसमें शामिल किसी को नहीं बख्शेंगे। किसी को भी सुरक्षा नहीं मिलेगी। हमने केंद्रीय एजेंसियों से इस मामले की जांच करने को कहा है। उन्होंने आशंका जताई है कि मामला बड़े मॉड्यूल से जुड़ा हो सकता है। बता दें गुरुवार को इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को कोर्ट में पेश किया था। जहां से उन्हें 18 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। कोर्ट में पेश किए गए आरोपियों की पहचान रजा रफीक मेमन (35) और शफी बिलाल शेख (36) के रूप में हुई है। इन्हें संबंधित मामले में न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बुधवार को फिर से गिरफ्तार किया गया। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने दो मामले आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करते हुए बुधवार को कहा था कि गिरफ्तार की गई यूनिट की ऑपरेशन और एचआर प्रमुख ने कथित तौर पर एक पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से हतोत्साहित किया था।

होर्मुज के हालात पर भारत की दो टूक कहा- नाविकों की मौत, जहाजों पर खतरा हमें स्वीकार्य नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में मालवाहक जहाजों की सुरक्षा और वहां लगातार बढ़ते तनाव को लेकर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने दो टूक शब्दों में कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में आम नागरिकों की हत्या और व्यापारिक जहाजों पर मंडराता खतरा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। भारतीय प्रतिनिधि ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों का सम्मान करने और मध्य पूर्व में तनाव कम करने की पुरजोर वकालत की है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत हरीश पी ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से होने वाला समुद्री व्यापार भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर गहरा दुख जताया कि वर्तमान संघर्ष के दौरान व्यापारिक जहाजों को सैन्य हमलों का निशाना बनाया गया है। भारतीय राजदूत ने कहा कि इस युद्ध की स्थिति के कारण जहाजों पर कार्यरत कई भारतीय नाविकों को अपनी कीमती जान गंवानी पड़ी है, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है।

भारत ने स्पष्ट किया है कि बेगुनाह नाविकों की जान जोखिम में डालना या अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग में रुकावट पैदा करना वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारतीय प्रतिनिधि ने मांग की कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए ताकि होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित और बेरोकटोक आवाजाही फिर से बहाल हो सके। 28 फरवरी 2026 को ईरान और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष की शुरुआत के बाद से ही भारत ने सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव न बढ़ाने और आम नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। भारत ने बातचीत और कूटनीति के जरिए शांति स्थापित करने और सभी देशों की संप्रभुता एवं सीमाओं के सम्मान की बात दोहराई है। गौरतलब है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दबाव बढ़ रहा है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची से फोन पर वार्ता के दौरान इस जलमार्ग को खोलने की अंतरराष्ट्रीय मांग पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां ईरान की संप्रभुता और सुरक्षा का सम्मान होना चाहिए, वहीं दूसरी ओर समुद्री सुरक्षा और नौवहन की स्वतंत्रता की गारंटी भी दी जानी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में ईरान के साथ बातचीत विफल होने के बाद अमेरिका ने होर्मुज पर नाकेबंदी का ऐलान कर दिया था, जिसके कारण कई जहाजों को वापस लौटना पड़ा। दूसरी तरफ, ईरान इस महत्वपूर्ण जलमार्ग पर अपना पूर्ण नियंत्रण होने का दावा करता रहा है, जिससे क्षेत्र में सैन्य और कूटनीतिक गतिरोध बना हुआ है।

दोहरी नागरिकता मामले में राहुल गांधी के खिलाफ होगी एफआईआर, हाईकोर्ट ने कहा- ब्रिटिश नागरिकता की जांच करे सीबीआई

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर करने का आदेश आदेश दिया है। इसके बाद अब राहुल गांधी की मुश्किल बढ़ गई है। दोहरी नागरिकता के मामले में शुक्रवार को लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। यह मामला निचली अदालत के उस फैसले के खिलाफ है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया था। यूपी सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई करे। इस पर जज ने मंजूरी दी। कहा कि एफआईआर करके मामले को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए। अब एफआईआर दर्ज होने के बाद प्रकरण की जांच सीबीआई करेगी। गौरतलब है कि कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने यह याचिका दाखिल की थी। याची ने लखनऊ की विशेष एमपी-एमएलए अदालत के 28 जनवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें अदालत ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और मामले की विस्तृत जांच कराने की मांग की थी। याची ने गांधी के खिलाफ भारतीय नागरिक संहिता, पासपोर्ट अधिनियम, आफिसियल सीक्रेट एक्ट के तहत विभिन्न धाराओं में गंभीर आरोप लगाये हैं। राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता मामले में दायर याचिका में उनके खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की विभिन्न धाराओं, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट 1923, पासपोर्ट एक्ट 1967 और फॉरेनर्स एक्ट 1946 के उल्लंघन के मामले बनते हैं।

महिला आरक्षण पर मायावती का प्रहार, कांग्रेस को बताया गिरगिट, सपा-भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ (एजेंसी)। महिला आरक्षण अधिनियम के लागू होने और इसकी आधिकारिक अधिसूचना जारी होने के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के माध्यम से कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने विशेष रूप से कांग्रेस की तुलना गिरगिट से करते हुए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को इन दलों के दोहरे चरित्र से सावधान रहने की सलाह दी है।

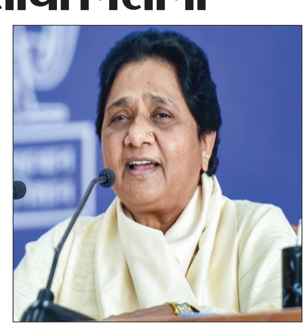

बसपा प्रमुख ने कहा कि आज जो कांग्रेस महिला आरक्षण में एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों की भागीदारी की बात कर रही है, वही पार्टी केंद्र की सत्ता में रहते हुए इन वर्गों के आरक्षण कोटे को पूरा करने में हमेशा विफल रही। उन्होंने याद दिलाया कि ओबीसी समाज के लिए मंडल कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने की पहल कांग्रेस ने नहीं, बल्कि बसपा के अथक प्रयासों से पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की सरकार ने की थी। मायावती ने सपा पर भी निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ी मुस्लिम जातियों को ओबीसी का लाभ देने वाली 1994 की रिपोर्ट को सपा सरकार ने ठंडे बस्ते में डाल दिया था, जिसे बाद में 1995 में बसपा सरकार ने लागू किया। उनके अनुसार, सपा जब सत्ता में होती है तो उसका रवैया जातिवादी और तिरस्कारी होता है, लेकिन विपक्ष में आते ही वह राजनैतिक स्वार्थ के लिए रंग बदल लेती है।

परिसीमन के मुद्दे पर मायावती ने स्पष्ट किया कि यदि महिला आरक्षण को जल्दी लागू करना है, तो इसे 2011 की जनगणना के आधार पर ही करना चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यदि आज कांग्रेस सत्ता में होती, तो वह भी भाजपा की तरह ही कदम उठाती। मायावती ने जोर देकर कहा कि देश में एससी, एसटी, ओबीसी और मुस्लिम समाज के वास्तविक हितों को लेकर कोई भी दल गंभीर नहीं है। उन्होंने इन वर्गों के लोगों को सलाह दी कि वर्तमान में जो कुछ भी मिल रहा है, उसे स्वीकार कर लें और किसी के बहकावे में न आएं। उन्होंने आह्वान किया कि इन वर्गों को खुद अपने पैरों पर खड़ा होकर समाज को आत्मनिर्भर और मजबूत बनाना होगा, क्योंकि भविष्य में सही समय आने पर ही उनके हितों का पूर्ण ध्यान रखा जा सकेगा।

संगठन की मजबूती के लिए मंथन में जुटी कांग्रेस, उधर आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु

शिमला (एजेंसी)। देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी खुद की मजबूती के लिए विचार मंथन कर रही है। गुरुवार को शिमला में हिमाचल प्रदेश में नई कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रदेश कांग्रेस इकाई की पहली महत्वपूर्ण आम सभा पार्टी मुख्यालय, राजीव भवन में आयोजित की गई। प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पार्टी के आगामी रोडमैप और आंतरिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आनंद शर्मा को लेकर अटकलें शुरु हो गईं।

पार्टी के भीतर चल रही खींचतान और वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा की नाराजगी की अटकलों पर हिमाचल की प्रदेश कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने विराम लगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि शिमला में आनंद शर्मा से उनकी मुलाकात हुई है और पार्टी छोड़ने जैसी चर्चाओं में कोई सच्चाई नहीं है। पाटिल ने स्वीकार किया कि राज्यसभा टिकट न मिलने या अन्य कारणों से काम करने वाले नेताओं में स्वाभाविक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन पार्टी सभी को साथ लेकर चलेगी। गौरतलब है कि आनंद शर्मा द्वारा हाल ही में विदेश नीति पर केंद्र के रुख की सराहना किए जाने के बाद उनके अगले कदम को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं तेज थीं। वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर ने भी इस दौरान वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी का मुद्दा उठाया।

बैठक में प्रदेश प्रभारी रजनी पाटिल, कैबिनेट मंत्री प्रो. चंद्र कुमार, सह-प्रभारी विधित चौधरी और संगठन महासचिव विनोद जिंटा सहित कार्यकारिणी के सदस्य और सभी जिला अध्यक्ष उपस्थित रहे।

बैठक से पूर्व पत्रकारों से बातचीत में रजनी पाटिल ने स्पष्ट किया कि संगठन का पुनर्गठन लंबे समय बाद हुआ है, और अब मुख्य फोकस जिला व जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाकर आगामी पंचायत चुनावों की तैयारी करना है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल का समर्थन करते हुए कहा कि इसे लागू करने से पहले जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होना अनिवार्य है।बैठक के दौरान संगठन में 'एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत को लागू करने पर भी गंभीर मंथन हुआ। प्रभारी ने स्पष्ट संकेत दिए कि जो नेता संगठन और सरकार दोनों में पदों पर आसीन हैं, उन्हें एक जिम्मेदारी छोड़नी होगी। सूत्रों के अनुसार, बैठक के बंद कमरे में कुछ नेताओं ने सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। विशेष रूप से मंडी और बिलासपुर जिलों से जुड़े नेताओं ने काम न होने पर अपनी नाराजगी जाहिर की। कुल मिलाकर, इस आम सभा के जरिए कांग्रेस ने जहां एक ओर पंचायत चुनावों के लिए बिगुल फूंका, वहीं दूसरी ओर आंतरिक असंतोष को शांत कर एकजुटता का संदेश देने का प्रयास किया है।

राज्यसभा में राघव चड्ढा ने आप पर कसा तंज, बोले- मैं हाल ही में हटाया गया उपनेता हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में शुक्रवार को एक दिलचस्प राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद राघव चड्ढा ने सदन में बोलते हुए अपनी ही पार्टी पर तंज कस दिया। उन्होंने कहा कि वह 'हाल ही में हटाए गए उपनेता' हैं और इसके बावजूद सदन में मौजूद हैं, जबकि उनकी पार्टी के अन्य प्रमुख नेता अनुपस्थित हैं। सांसद चड्ढा ने यह टिप्पणी उस समय की, जब राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को लगातार तीसरी बार उपसभापति चुने जाने पर अभिनंदन प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के नेता और नवनियुक्त उपनेता सदन में मौजूद नहीं हैं, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से उन्होंने संजय सिंह और अशोक कुमार मित्तल पर निशाना साधा। इस दौरान चड्ढा ने उपसभापति को बधाई देते हुए उन्हें बोलने का अवसर देने के लिए धन्यवाद भी दिया। उनका यह बयान पार्टी के भीतर हालिया मतभेदों की ओर इशारा करता है, जो सार्वजनिक रूप से भी चर्चा में रहे हैं। उधर, राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह को निर्विरोध उपसभापति चुना गया। उनके समर्थन में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन अन्य सदस्यों ने किया और इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। घोषणा के बाद सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने उन्हें उपसभापति निर्वाचित घोषित किया। इसके पश्चात सदन के नेता और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें उनकी सीट तक पहुंचाया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि हरिवंश का यह लगातार तीसरा कार्यकाल है, जो उनकी स्वीकार्यता और संसदीय अनुभव को दर्शाता है। वहीं, राघव चड्ढा का बयान राज्यसभा के इस औपचारिक अवसर पर भी राजनीतिक हलचल पैदा कर गया।

संजय राउत का दावा: मुसीबत में थे अमित शाह तब बालासाहेब ठाकरे ने किया था जज को फोन

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद और मुख्य प्रवक्ता संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और शिवसेना संस्थापक दिवंगत बालासाहेब ठाकरे को लेकर एक सनसनीखेज दावा किया है। राउत के मुताबिक, जब अमित शाह गुजरात की राजनीति में संकट में थे और उनके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा कई मामले दर्ज किए गए थे, तब वे मदद के लिए बालासाहेब ठाकरे के पास पहुंचे थे। राउत का दावा है कि उस समय बालासाहेब ने एक जज को फोन कर अमित शाह की मदद करने के लिए कहा था।

यह दावा संजय राउत ने कपिल सिब्बल के साथ एक इंटरव्यू के दौरान किया। हालांकि, जब उनसे शिवसेना में हुई टूट पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने इस पुरानी घटना का जिक्र किया। संजय राउत ने अमित शाह से जुड़ी घटना का विवरण देते हुए बताया, मातोश्री में बालासाहेब ठाकरे, मैं और हमारे कुछ साथी बैठे थे तो गेट से बार-बार एक मैसेज आता था कि कोई गुजरात से विधायक अमित शाह है जो बालासाहेब से मिलना चाहते हैं। बालासाहेब ने शाम को आने को कहा। राउत ने आगे बताया, अमित शाह फिर शाम को आए और सिक्योरिटी ने फोन किया तो फोन मैंने ही उठाया। मैंने बालासाहेब से कहा कि कोई अमित शाह गुजरात से आया है, बहुत परेशानी में है, एक बार आप मिल लीजिए। उन्होंने कहा अगले दिन 11 बजे बुला लो।

शाह ने कहा था तड़ीपार किया है मदद कीजिए

अगले दिन सुबह 11 बजे अमित शाह आए और बालासाहेब को प्रणाम किया। राउत के अनुसार, अमित शाह ने बालासाहेब से कहा, साहेब, मैं कट्टर हिंदुवादी हूं और कांग्रेस ने मेरे ऊपर बहुत केस कर रखे हैं। मुझे तड़ीपार कर दिया है। मैं गुजरात भी नहीं जा सकता। अब मेरी फाइल मुंबई ट्रांसफर हो गई है तो आप जज को फोन करो वो आपकी बात मानेंगे। संजय राउत ने दावा किया कि इसके बाद बालासाहेब ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर जोशी को जज के पास भेजा और कहा कि तुम अपने फोन से जज से मेरी बात करवाना। जोशी ने जज से बालासाहेब की बात करवाई और बालासाहेब ने जज से कहा, तुम अमित शाह की मदद करो वो परेशानी में है। जज ने जवाब दिया, साहेब ये डबल बेंच है और दूसरा जज मुस्लिम है। तो बालासाहेब बोले, तुम तो हिंदू हो मदद करो। संजय राउत ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा कि बालासाहेब की इतनी मदद और उपकार करने के बाद भी इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए शिवसेना तोड़ दी।

किसान हितों के मामले में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की जीरो टॉलरेंस की नीति

हैदराबाद (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। नई दिल्ली में मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिलकर उनके सामने करेला की फसल में अमानक बीज और रोपे से हुए भारी नुकसान का मामला रखा, जिस पर शिवराज सिंह ने इसे किसानों की आजीविका पर सीधा प्रहार मानते हुए तुरंत अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए और दोषी कंपनी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। केंद्रीय मंत्री शिवराज के निर्देशों के बाद मामले में तेज़ कार्रवाई हुई और धार जिले के मनावर थाने में संबंधित कंपनी- नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कृषि मंत्री शिवराज ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि किसानों के हित उनके लिए सर्वोपरि हैं। मध्यप्रदेश के धार और खरगोन के किसानों ने नई दिल्ली में उनसे भेंट कर करेला फसल में अमानक बीज और रोपे के कारण हुए गंभीर नुकसान की जानकारी दी, जिस पर श्री चौहान ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को साफ कहा कि प्रभावित किसानों को न्याय मिलना चाहिए और उन्हें उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में तेजी से कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिस कंपनी की भूमिका इस पूरे मामले में सामने आई है, उसके खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन निर्देशों के बाद प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई तेज हुई और मनावर थाना, जिला धार में एफआईआर क्रमांक 266 दर्ज की गई। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धाराएं 318(4) और 324(5), आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धाराएं 3 व 7 तथा बीज अधिनियम, 1966 की धारा 19 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है। प्राथमिकी में नुन्हेम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, तेलंगाना को आरोपी के रूप में दर्ज किया गया है। किसानों की शिकायत है कि उन्होंने नवंबर 2025 में विभिन्न नर्सरियों और कृषि सेवा केंद्रों से संबंधित इस कंपनी के बीज और रोपे खरीदे थे, लेकिन बुआई और रोपण के बाद करेला फसल में अपेक्षित उत्पादन नहीं हुआ और फल छोटे, पीले होकर गिरने लगे। फसल उत्पादन में आई भारी गिरावट के बाद किसानों ने 17 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद कृषि वैज्ञानिकों और विभागीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई, जिसमें प्रथम दृष्टया यह पाया गया कि अमानक बीज एवं अमानक बीज से तैयार रोपे किसानों को प्रमाणित बताकर बेचे गए, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान पहुंचा। किसानों ने जब दिल्ली आकर केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह को ये सब बातें बताई तो श्री चौहान ने कहा कि यह मामला केवल फसल खराब होने का नहीं, बल्कि किसानों के भरोसे, मेहनत और पूंजी को नुकसान पहुंचाने का है। श्री शिवराज सिंह के निर्देश पर इस पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए वैधानिक धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई और जांच आगे बढ़ाई गई है।

क्या है परिसीमन? जिससे बढ़ गई लोकसभा में सीटें...आसान भाषा में समझें

नई दिल्ली (एजेंसी)। परिसीमन शब्द इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शायद बहुत कम लोग परिसीमन शब्द का अर्थ जानते हैं। परिसीमन का सीधा अर्थ है........जनसंख्या के आधार पर लोकसभा या विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण करना है। यह काम स्वतंत्र परिसीमन आयोग द्वारा किया जाता है, जिसका गठन राष्ट्रपति के नोटिफिकेशन के दवारा होता है। इस आयोग के पास इतनी ताकत होती है कि इसके फैसलों को कोर्ट में चुनौती नहीं दी जा सकती।

परिसीमन का अर्थ

जैसे-जैसे किसी शहर या इलाके की आबादी बढ़ती है, वहां की जरूरतों को संभालने के लिए नए वार्ड या चुनाव क्षेत्र बनाने पड़ते हैं। इसतरह, पूरे देश में जनसंख्या के हिसाब से लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों की सीमाओं को फिर से तय करने की प्रक्रिया को परिसीमन कहते हैं। इसका मकसद यह है कि हर सांसद या विधायक करीब बराबर आबादी का प्रतिनिधित्व करे, ताकि लोकतंत्र में एक वोट, एक मूल्य का सिद्धांत बना रहे। परिसीमन से जुड़ी 5 मुख्य बातें जो आपको जाननी जरुरी हैं।

सीटें क्यों बढ़ रही हैं? अभी हम 1971 की आबादी के हिसाब से चल रहे हैं। बीते 55 साल में देश में 2.25 गुना जनसंख्या बढ़ी है। आबादी बढ़ने से काम में बढ़ोतरी भी होगी। इसकारण सांसदों की संख्या भी 543 से बढ़ाकर लगभग 850 करने की तैयारी है। इसके लिए एक परिसीमन आयोग बनता है। यह इतनी पावरफुल बॉडी है कि इसके फैसले को आप किसी कोर्ट में चुनौती नहीं दे सकते। इसमें सीटें आबादी के हिसाब से तय होती हैं, इसलिए उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में सीटों की संख्या बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। यानी संसद में इन राज्यों के सांसदों का दबदबा बढ़ेगा।

वहीं तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों ने जनसंख्या कंट्रोल करने में बहुत अच्छा काम किया है। अब उन्हें ऐसा डर है कि आबादी कम होने के कारण उनकी सीटों में बढ़ोतरी कम होगी, जिससे केंद्र में उनकी आवाज कमजोर पड़ जाएगी। वे इसे अच्छे काम के लिए मिली सजा मान रहे हैं। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का कहना है कि यह राज्यों के बीच संतुलन बिगाड़ सकता है और इससे केवल उन राज्यों को फायदा होगा जहाँ भाजपा मजबूत है।

वैश्विक तनाव के बीच भारत की सधी हुई चाल, ऑस्ट्रिया के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने किया कमाल

नीरज कुमार दुबे

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

भारत और ऑस्ट्रिया के बीच संबंधों को नई दिशा देने वाली एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक पहल के तहत ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर की भारत यात्रा ऐतिहासिक मानी जा रही है। लगभग चार दशकों के बाद किसी ऑस्ट्रियाई चांसलर का भारत आगमन न केवल द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती का संकेत है, बल्कि यह वैश्विक परिदृश्य में बदलती प्राथमिकताओं के बीच नई साझेदारी के निर्माण का भी प्रतीक है।

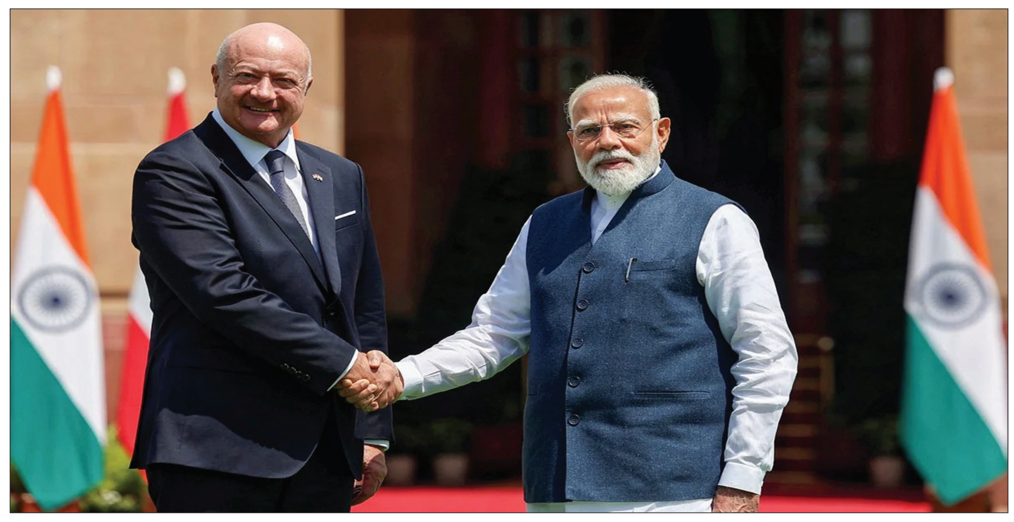

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चांसलर स्टॉकर का स्वागत करते हुए इसे विशेष अवसर बताया और इस बात पर जोर दिया कि यूरोप के बाहर अपनी पहली यात्रा के लिए भारत को चुनना ऑस्ट्रिया की भारत के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के बाद आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के नए अवसर सामने आए हैं।

भारत और ऑस्ट्रिया के संबंध पहले से ही अवसंरचना, नवाचार और सतत विकास के क्षेत्रों में मजबूत रहे हैं। दिल्ली मेट्रो और अटल सुरंग जैसे महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ऑस्ट्रिया की तकनीकी विशेषज्ञता का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा रेलवे परियोजनाओं, रोपवे, स्वच्छ ऊर्जा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी ऑस्ट्रियाई कंपनियों की सक्रिय भागीदारी रही है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कुल पंद्रह महत्वपूर्ण समझौते और पहलें सामने आईं, जो रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार, नवाचार और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों को कवर करती हैं। इनमें सबसे प्रमुख है आतंकवाद के खिलाफ संयुक्त कार्य समूह की स्थापना का प्रस्ताव, जो वैश्विक स्तर पर आतंकवाद से निपटने में रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा।

रक्षा क्षेत्र में भी सहयोग को नई गति देने के लिए सैन्य मामलों में सहयोग पर एक आशय पत्र पर सहमति बनी है। इसके तहत रक्षा उद्योग, नीति संवाद, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण को बढ़ावा दिया जाएगा। यह पहल भारत और यूरोप के बीच हाल ही में हुए सुरक्षा सहयोग को भी मजबूती प्रदान करेगी। आर्थिक संबंधों को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक फास्ट ट्रैक तंत्र स्थापित करने की घोषणा की गई है, जिससे दोनों देशों की कंपनियों और निवेशकों को आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सकेगा। इससे व्यापार को सुगम बनाने और निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए ऑडियो विजुअल सह उत्पादन समझौता किया गया है, जिससे दोनों देशों के फिल्म उद्योग के बीच संयुक्त निर्माण और सांस्कृतिक आदान प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भी एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ है, जिसके तहत वैज्ञानिक सहयोग, मानकों के आदान प्रदान और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया जाएगा। इससे कृषि और खाद्य उत्पादों के व्यापार को भी मजबूती मिलेगी।

इसके अलावा, दोनों देशों के बीच कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें प्रशिक्षुता प्रणाली, ज्ञान साझा करने और योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर जोर दिया गया है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए संरचित संवाद शुरू करने और तकनीकी विश्वविद्यालयों के माध्यम से भारतीय छात्रों के लिए नए अवसर उपलब्ध कराने की पहल भी की गई है।

इस यात्रा के दौरान स्टार्टअप सहयोग को बढ़ाने, साइबर सुरक्षा संवाद शुरू करने, अंतरिक्ष उद्योग में संयुक्त सेमिनार आयोजित करने और वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम को लागू करने जैसी घोषणाएं भी की गईं। उच्च प्रौद्योगिकी जैसे क्वांटम तकनीक, मशीन लर्निंग, जल शोधन और सामग्री विज्ञान में संयुक्त अनुसंधान को साझेदारी का मुख्य आधार बनाया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर यह भी कहा कि भारत की प्रतिभा और ऑस्ट्रिया की नवाचार क्षमता मिलकर वैश्विक स्तर पर भरोसेमंद तकनीक और आपूर्ति श्रृंखला विकसित कर सकती है। उन्होंने रक्षा, सेमीकंडक्टर, जैव प्रौद्योगिकी और क्वांटम क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया। इसके अलावा, मानव संसाधन के क्षेत्र में भी दोनों देशों ने प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाया है। वर्ष 2023 में हुए प्रवासन और गतिशीलता समझौते के तहत अब नर्सिंग क्षेत्र में भी सहयोग को विस्तार दिया जाएगा। युवा आदान प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए वर्किंग हॉलिडे कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

साथ ही वैश्विक परिदृश्य पर चर्चा करते हुए दोनों देशों ने इस बात पर सहमति जताई कि सैन्य संघर्ष किसी भी समस्या का समाधान नहीं है। चाहे यूक्रेन का संकट हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, दोनों देशों ने स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन किया। साथ ही वैश्विक संस्थाओं में सुधार और आतंकवाद के पूर्ण उन्मूलन की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

हम आपको एक बार फिर बता दें कि ऑस्ट्रिया भारत के लिए एक महत्वपूर्ण यूरोपीय साझेदार है। यह मध्य और पूर्वी यूरोप में प्रवेश का एक प्रमुख द्वार है और हरित प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा तथा उन्नत इंजीनियरिंग में इसकी विशेषज्ञता भारत के विकास कार्यक्रमों के लिए उपयोगी है। दोनों देशों के बीच व्यापार लगातार बढ़ रहा है और यह लगभग तीन अरब डॉलर के स्तर तक पहुंच चुका है।

देखा जाये तो भारत और ऑस्ट्रिया के बीच मजबूत होते संबंधों का प्रभाव वैश्विक भू-राजनीति पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। यूरोप के मध्य में स्थित ऑस्ट्रिया, भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक सेतु का काम करता है, जिससे भारत को यूरोप के बाजारों, तकनीक और निवेश तक बेहतर पहुंच मिलती है। इस सहयोग से भारत की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भूमिका और अधिक मजबूत होगी, विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी, रक्षा और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में। इसके साथ ही, ऑस्ट्रिया का भारत के प्रति समर्थन अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करेगा, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता जैसे मुद्दों पर। दक्षिण एशिया के संदर्भ में यह साझेदारी भारत की रणनीतिक बढ़त को और मजबूत करेगी, क्योंकि उन्नत तकनीक, रक्षा सहयोग और आर्थिक निवेश के माध्यम से भारत क्षेत्रीय नेतृत्व को और प्रभावी ढंग से स्थापित कर सकेगा। इससे न केवल भारत की सुरक्षा क्षमताएं बढ़ेंगी, बल्कि वह क्षेत्र में स्थिरता, विकास और संतुलन बनाए रखने में भी अधिक सक्षम भूमिका निभा सकेगा।

बहरहाल, ऑस्ट्रिया के चांसलर की भारत यात्रा ने यह स्पष्ट कर दिया है कि दोनों देशों के संबंध अब पारंपरिक सहयोग से आगे बढ़कर नवाचार केंद्रित और भविष्य उन्मुख साझेदारी की ओर अग्रसर हैं। दोनों देशों ने मिलकर एक ऐसे सहयोग मॉडल की नींव रखी है जो न केवल द्विपक्षीय हितों को साधेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी स्थिरता और प्रगति में योगदान देगा।

संपादकीय

कार्यस्थल पर भयावह

देश की एक प्रमुख आईटी कंपनी की नासिक शाखा में यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के प्रयासों के चौंकाने वाले आरोप परेशान करने वाले हैं। निस्संदेह, यह प्रकरण बेहद गंभीर है और इन आरोपों ने कार्यस्थल की सुरक्षा जैसे नजरअंदाज किए जा रहे महत्वपूर्ण मुद्दे पर फिर देश का ध्यान आकर्षित किया है। यह आरोप है कि पुरुष कर्मचारियों का एक समूह महिला सहकर्मियों को निशाना बनाने के लिए एक ह्यसंगठित गिरोहह्ण की तरह काम कर रहा था। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम कंपनी प्रबंधन की उस घोर लापरवाही को ही उजागर करता है जिस के चलते समय रहते इस तरह के यौन उत्पीड़न व धर्म परिवर्तन की कोशिशों पर अंकुश नहीं लग सका। यह विडंबना ही है कि मानव संसाधन प्रबंधक ने कथित तौर पर पीड़िता को शिकायत दर्ज कराने से यह कहकर रोका कि झह्यऐसी चीजें होती रहती हैं ह्ण आक्षेप लगाया गया है कि इस प्रकरण में आरोपी का ही पक्ष लिया गया। निश्चित तौर पर यह दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम कॉर्पोरेट जगत में व्याप्त विद्रूपताओं और एक गहरी तथा व्यापक विफलता की ओर ही इशारा करता है। जबकि दावा यह किया जाता रहा है कि कॉर्पोरेट जगत की प्राथमिकता कर्मचारियों की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चत करना है। इसमें दो राय नहीं है कि जब यौन उत्पीड़न रोकथाम ढांचे को लागू करने के लिये जिम्मेदार उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों पर दुर्व्यवहार को सामान्य या मामूली बात समझने का आरोप लगता है, तो सारे संस्थागत सुरक्षा उपाय ध्वस्त हो जाते हैं। निर्विवाद रूप से यह एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है, जब पीड़ित महिला कर्मचारी को न केवल अपराधियों द्वारा बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व संभालने वालों द्वारा भी चुप कराने के प्रयास किये जाते हैं। एक बार फिर से पुलिस के हस्तक्षेप और परामर्श के बाद ही कई पीड़ित महिला कर्मचारियों ने आगे आने का साहस जुटाया है। जिसके बाद ही मामले में प्राथमिकी दर्ज हो पायी है। बहरहाल, इस दुर्भाग्यपूर्ण प्रकरण को लेकर एक असहज करने वाला प्रश्न यह उठता है कि क्यों भय, सामाजिक कलंक अथवा संस्थागत उदासीनता के कारण देश भर के विभिन्न कार्यस्थलों में ऐसे कितने ही यौन उत्पीड़न के मामले उजागर नहीं हो पाते हैं? इसमें दो राय नहीं कि इस मामले में जांच बिना किसी पुर्वाग्रह के आगे बढ़नी चाहिए। निर्विवाद रूप से आईटी कंपनी के नासिक प्रकरण में सांप्रदायिक या राजनीतिक रंग देने का प्रयास इस संकट की मूल चिंताओं को धूमिल करने का जोखिम जरूर पैदा कर सकता है। निस्संदेह, ऐसी घटनाओं को धार्मिक या वैचारिक नजरिये से देखना कॉर्पोरेट जवाबदेही और लैंगिक संवेदनशीलता वाले सुधारों की तत्काल आवश्यकता से ध्यान भटका सकता है। इस संवेदनशील विषय पर नजर रखने वाले तर्क देते हैं कि उत्पीड़न को संप्रदाय विशेष के अपराध के रूप में देखने के बजाय, इसे एक अधिकारी द्वारा अपने अधिकार के दुरुपयोग के रूप में देखा जाना चाहिए, जो किसी भी संस्थान में पारदर्शिता और प्रवर्तन की कमी वाले वातावरण में ही पनपता है। इस विचलित करने वाले प्रकरण में अधिकारियों की प्रतिक्रिया, जिसमें एक विशेष जांच दल का गठन भी शामिल है, स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर इस मामले में महिला आयोग द्वारा भी एक स्वतंत्र जांच की जा रही है, जो कि एक सराहनीय कदम कहा जा सकता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व धरोहर दिवसः सभ्यता की अमूल्य धरोहरों को बचाने का संकल्प

सुनील कुमार महला

प्रत्येक वर्ष 18 अप्रैल को विश्व धरोहर दिवस मनाया जाता है। इसे विश्व विरासत दिवस, वर्ल्ड हेरिटेज डे तथा आधिकारिक रूप से अंतर्राष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस (इंटरनेशनल डे फोर मोन्यूमेंट्स एंड साइट्स) कहा जाता है। यह दिवस मानवता की साझा सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है।वास्तव में, विश्व धरोहर स्थल (वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स) वे स्थान हैं जिन्हें मानवता के लिए उनके असाधारण सार्वभौमिक महत्व के आधार पर मान्यता दी जाती है और भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने हेतु विश्व धरोहर सूची में शामिल किया जाता है। इन स्थलों का संरक्षण यूनेस्को विश्व धरोहर सम्मेलन, 1972 के अंतर्गत किया जाता है, जिसे यूनेस्को सदस्य देशों द्वारा स्वीकार किया गया एक महत्त्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समझौता माना जाता है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य विश्वभर के ऐतिहासिक स्मारकों, सांस्कृतिक स्थलों, पुरातात्विक अवशेषों, प्राकृतिक संपदाओं तथा मानव सभ्यता से जुड़ी अमूल्य विरासतों के संरक्षण के प्रति जनचेतना उत्पन्न करना है। वास्तव में धरोहर केवल पत्थरों से बनी इमारतें नहीं हैं, बल्कि वे हमारी संस्कृति, परंपरा, कला, ज्ञान, संघर्ष, इतिहास और सामूहिक पहचान की जीवंत प्रतीक हैं।

उल्लेखनीय है कि इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1982 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट्स एंड साइट्स द्वारा ट्यूनीशिया में आयोजित बैठक में हुई, जहाँ 18 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाने का प्रस्ताव रखा गया। इसके बाद वर्ष 1983 में यूनेस्को की 22वीं महासभा ने इसे औपचारिक मान्यता प्रदान की। तभी से प्रतिवर्ष 18 अप्रैल को यह दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। विश्व धरोहर स्थल विशेष स्थान, भवन, दुर्ग, नगर, वन, पर्वत, झील, मरुस्थल या प्राकृतिक क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें मानवता के लिए विशिष्ट महत्व का माना जाता है। किसी स्थल को विश्व विरासत सूची में शामिल करने से पूर्व यूनेस्को उसे कठोर मानकों पर परखता है। वर्तमान में 10 चयन मानदंड निर्धारित हैं, जिनमें से कम से कम एक को पूरा करना आवश्यक है। इनमें ऐतिहासिक महत्व, स्थापत्य कला, सांस्कृतिक प्रभाव, प्राकृतिक सौंदर्य, जैव विविधता तथा वैज्ञानिक महत्त्व जैसे पहलू सम्मिलित हैं।विश्व धरोहर मुख्यतः तीन प्रकार की होती है- पहली, सांस्कृतिक धरोहर, जिसमें स्मारक, मंदिर, मस्जिद, चर्च, किले, मूर्तियाँ, प्राचीन नगर, स्थापत्य कला, भाषा, संगीत, नृत्य और परंपराएँ शामिल हैं। दूसरी, प्राकृतिक धरोहर, जिसमें पर्वत, नदियाँ, समुद्र, वन, वन्यजीव, जैव विविधता और अद्वितीय प्राकृतिक परिदृश्य आते हैं तथा तीसरी, मिश्रित धरोहर, जिनमें सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों विशेषताएँ विद्यमान होती हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यूनेस्को केवल स्थायी संरचनाओं या प्राकृतिक स्थलों को ही नहीं, बल्कि अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी मान्यता देता है। भारत की योग परंपरा और कुंभ मेला इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

विश्व स्तर पर सबसे अधिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों वाला देश इटली है, जिसके बाद चीन का स्थान आता है। भारत भी विश्व धरोहर स्थलों की दृष्टि से अग्रणी देशों में सम्मिलित है। यूनेस्को एक विशेष सूची वर्ल्ड हेरिटेज इन डेंजर भी संचालित करता है, जिसमें उन स्थलों को शामिल किया जाता है जो युद्ध, प्रदूषण, प्राकृतिक आपदा, अतिक्रमण, अत्यधिक पर्यटन, जलवायु परिवर्तन या उपेक्षा के कारण संकट में हों। यदि कोई स्थल संरक्षण मानकों का पालन न करे या उसका मूल स्वरूप गंभीर रूप से बदल जाए, तो उसे सूची से हटाया भी जा सकता है। उदाहरणस्वरूप ओमान का अरेबियन ओरिक्स अभयारण्य तथा जर्मनी की ड्रेसडेन एल्बे घाटी को सूची से हटाया जा चुका है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 तक विश्वभर के 196 देशों में लगभग 1,223 विश्व धरोहर स्थल थे, जिनमें 952 सांस्कृतिक, 231 प्राकृतिक और 40 मिश्रित स्थल शामिल हैं। भारत जैसे प्राचीन और बहुसांस्कृतिक देश में इस दिवस का विशेष महत्व है। अप्रैल 2025 तक भारत में 43 विश्व धरोहर स्थल (34 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 2 मिश्रित) तथा 62 स्थल संभावित सूची में सम्मिलित थे। भारत के प्रमुख धरोहर स्थलों में ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अजंता-एलोरा गुफाएँ, एलीफेंटा गुफाएँ, खजुराहो समूह, सांची स्तूप, महाबोधि मंदिर, हम्पी, महाबलीपुरम, जंतर-मंतर, कुतुब मीनार, लाल किला, कोणार्क सूर्य मंदिर, नालंदा, भीमबेटका, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट तथा कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान प्रमुख हैं। राजस्थान धरोहर संपदा की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध राज्य है। यहाँ जयपुर शहर, जंतर-मंतर जयपुर, आमेर किला, चित्तौड़गढ़ दुर्ग, कुंभलगढ़, रणथंभौर दुर्ग, जैसलमेर किला, गागरोन दुर्ग तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान जैसे विश्व धरोहर स्थल स्थित हैं। वर्ष 2021 में भारत के रामप्पा मंदिर (तेलंगाना) तथा धोलावीरा (गुजरात) को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया, जिससे भारत की संख्या में वृद्धि हुई।विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्रतिवर्ष एक विशेष थीम घोषित की जाती है।वर्ष 2025 की थीम थी-आपदाओं और संघर्षों से विरासत खतरे मेंः आइसीओएमओएस के 60 वर्षों के अनुभवों से तैयारी और सीख। तथा वर्ष 2026 की थीम है-संघर्षों और आपदाओं के संदर्भ में जीवित विरासत के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया। रखी गई है।इसका आशय यह है कि युद्ध, संघर्ष और प्राकृतिक आपदाओं के समय केवल भवनों और स्मारकों की ही नहीं, बल्कि जीवित विरासतों-जैसे लोक परंपराएँ, सामाजिक ज्ञान, सांस्कृतिक पहचान और समुदाय आधारित परंपराएँ की भी त्वरित सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

वर्तमान समय में बढ़ता शहरीकरण, प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, अवैध निर्माण, युद्ध, प्राकृतिक आपदाएँ और लापरवाही अनेक धरोहरों के अस्तित्व पर संकट बनकर खड़े हैं। इसलिए इनका संरक्षण केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। धरोहरों से हमारी जड़ें मजबूत होती हैं, राष्ट्रीय गौरव बढ़ता है और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलती है। भारत सरकार ने भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण हेतु अनेक महत्त्वपूर्ण पहलें की हैं। विदेशों में पहुँचे प्राचीन पुरावशेषों की वापसी के प्रयास तेज किए गए हैं, और वर्ष 1976 से अब तक लगभग 655 पुरावशेष भारत वापस लाए जा चुके हैं। इतना ही नहीं, वर्ष 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयलोक-स्थान जैसी कृतियों को यूनेस्को की विश्व स्मृति समिति के एशिया-प्रशांत क्षेत्रीय रजिस्टर में शामिल किया गया, जिससे भारतीय ज्ञान परंपरा को वैश्विक सम्मान मिला। यह अच्छी बात है कि वर्ष 2017 में प्रारंभ हेरिटेज एडॉप्ट कार्यक्रम के माध्यम से सार्वजनिक एवं निजी संस्थाओं को सीएसआर फंडिंग के जरिए विरासत स्थलों के संरक्षण और विकास में भागीदारी का अवसर दिया गया। इतना ही नहीं, राष्ट्रीय स्मारक और पुरावशेष मिशन के अंतर्गत 12.3 लाख से अधिक पुरावशेषों तथा 11,400 विरासत स्थलों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। साथ ही डिजिटल स्पेस में भारतीय विरासत पहल के माध्यम से लोगों को आभासी रूप से विरासत स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है।भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा विकसित मस्ट सी पोर्टल पर लगभग 100 प्रमुख स्मारकों की जानकारी, चित्र और दृश्य उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे पर्यटकों और शोधकताओं को सुविधा मिलती है। जुलाई 2024 में भारत ने दिल्ली में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र की मेजबानी कर वैश्विक सांस्कृतिक नेतृत्व में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

निष्कर्षतः, विश्व धरोहर दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि मानवता की साझा विरासत को सुरक्षित रखने का वैश्विक संकल्प है। यदि हम अपनी धरोहरों की रक्षा नहीं करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियाँ अपने इतिहास, संस्कृति और पहचान से वंचित हो जाएँगी। अतः विकास के साथ-साथ विरासतों के संरक्षण, संवर्द्धन और सम्मान के लिए हमें दृढ़ संकल्पित होकर कार्य करना चाहिए।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर वक्ताओं ने रख अपने विचार

अलीगढ़ (सब का सपना):- सागवान सिटी अलीगढ़ में बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी बड़े धूमधाम तरीके से उत्सव के रूप में मनाई गई । कार्यक्रम का आयोजन डॉ. भीमराव अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी,सांगवान सिटी के बैनर तले किया गया। कार्यक्रम का संचालन अजय पाल सिंह तथा अध्यक्षता शिवस्वरूप सागर दरोगा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित भिक्खु संघ द्वारा बुद्ध वंदना और पंचशील पाठ के साथ हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत रत्न बोधिसत संविधान निमार्ता परम पूज्य बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के 135 वां जन्मोत्सव गत वर्ष की भांति इस बार भी बड़े भाव और उत्साह से मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि चौधरी महेंद्र सिंह पूर्व मंत्री एवं वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सुल्तान सिंह पूर्व प्रशासनिक अधिकारी रहे। पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह ने बाबा साहेब के जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को उनके जन्मदिन पर बधाई प्रेषित की और बाबा साहेब के त्याग,बलिदान और समर्पण को याद किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब समाज बिखराव की समस्या से जूझ रहा है ऐसे समय में हमें उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए। चन्द्रवीर सिंह ने कहा कि बाबा साहेब किसी एक समाज के लिए नहीं बल्कि देश के प्रत्येक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी के पदाधिकारी में सबसे प्रमुख ओमप्रकाश सिंह, ओमपाल सिंह, शिव स्वरूप सागर, यशपाल सिंह, गुरु वचन सिंह, लखपत सिंह, मेघ सिंह, अजय पाल सिंह, सुरेश बाबू नीरज गौतम डॉक्टर बीपी सिंह, डॉक्टर बृजेश कुमार,चंद्रवीर सिंह श,कृष्ण गोपालाचार्य, मुनेश कुमार,एवं अश्वनी कुमार, राजकुमार सिंह ,राकेश बाबू सूर्यवंशी,सचिन कुमार,ईश्वर चंद्र, मनोजकुमार एवं महिला मंडल की मुख्य महत्वपूर्ण भूमिका रही जिसमें मुख्य रूप से सुनीता कुमारी सीमा देवी डॉ मोनिका सरोज देवी प्रतिभा देवी रेणुका देवी कुंती दुर्गेश इंदिरा अटल शिल्पी देवी लक्ष्मी देवी भू देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे' कार्यक्रम के अंत में समिति के पदाधिकारियों द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया और उपस्थित लोगों के लिए स्वल्पाहार का वितरण किया गया । सभी जन समुदाय द्वारा इसकी महत्वपूर्ण प्रशंसा की गई है '

गजरौला की US FOODS फैक्ट्री के बाहर खड़े मजदूरों को समझाकर लौटाया

अमरोहा में फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट,1500 पुलिस कर्मियों की तैनाती

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नोएडा में फैक्ट्रियों के बाहर हुए बवाल के बाद अमरोहा प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में नजर आया। शुक्रवार को सुबह 6 बजे से ही अमरोहा की 20 से अधिक फैक्ट्रियों पर करीब 1500 पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई। व्हाट्सएप ग्रुपों में वायरल धरना प्रदर्शन की सूचना के बीच पुलिस की पूरे दिन निगरानी रही।वहीं हर बड़ी फैक्ट्री पर 60 से 70 पुलिसकर्मी, एक-दो इंस्पेक्टर को तैनात किया गया। अफवाहों को लेकर सतर्क पुलिस ने सुबह से ही औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में 8 लोगों को हिरासत में लिया है।गजरौला औद्योगिक क्षेत्र में सीओ और अन्य अधिकारियों के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फैक्ट्रियों में शिफ्ट बदलने के दौरान मजदूरों की आवाजाही पर विशेष नजर रखी गई।फैक्ट्री के गेट पर 60 से 70 पुलिसकर्मी और दो इंस्पेक्टर को तैनात किया गया।

बता दें कि दो दिन पहले सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में मजदूरों के धरना प्रदर्शन से जुड़ी सूचना वायरल हो रही थी। इसके बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और 17 अप्रैल को संभावित धरने को देखते हुए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए।शुक्रवार सुबह यूएस फूड फैक्ट्री के बाहर कुछ मजदूर इकट्ठा हुए। लेकिन पुलिस और अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उन्हें समझाया और शांतिपूर्वक काम पर वापस भेज दिया। इससे किसी भी तरह की भीड़ या हंगामे की स्थिति नहीं बनने दी गई।पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में 8 लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं जिले की एक दर्जन बड़ी फैक्ट्रियों सहित 20 से अधिक इकाइयों के बाहर भारी पुलिस बल तैनात रहा। हर बड़ी फैक्ट्री पर 60 से 70 पुलिसकर्मी, एक-दो इंस्पेक्टर के साथ मौजूद रहे।अधिकारियों के अनुसार, जिले में करीब 150 से अधिक छोटी-बड़ी औद्योगिक इकाइयां हैं, जिन पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की मुस्तैदी के चलते कहीं भी धरना प्रदर्शन नहीं हो सका और हालात पूरी तरह नियंत्रण में रहे।गजरौला में औद्योगिक क्षेत्र में लगभग 150 फैक्ट्रियां संचालित हैं। इनमें दो बड़ी इकाइयों में दवाइयों के लिए केमिकल तैयार किया जाता है। जबकि एक फैक्ट्री में बाइक के लोहे के पाट्र्स बनाए जाते हैं। इसके अलावा अन्य कई फैक्ट्रियों में कपड़ा, आटा, प्लास्टिक के बर्तन समेत विभिन्न उत्पादों का निर्माण होता है।

इस औद्योगिक क्षेत्र में करीब एक लाख श्रमिक कार्यरत हैं। जिनमें से अधिकांश जुबिलेंट, तेवा और रौनक एग्रीकल्चर जैसी बड़ी कंपनियों में काम करते हैं। यहां आमतौर पर श्रमिकों से 8 घंटे की शिफ्ट में काम लिया जाता है। हालांकि कुछ स्थानों पर 12 घंटे तक भी काम कराया जाता है।श्रमिकों का वेतन उनकी श्रेणी के अनुसार निर्धारित होता है, जिसे समय-समय पर शासन द्वारा संशोधित किया जाता है। फिलहाल मजदूरों की ओर से कोई खुला विरोध सामने नहीं आया है।

आदमपुर में भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत आयोजित

आदमपुर /अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार भारतीय किसान यूनियन शंकर की मासिक पंचायत आदमपुर के शिव मंदिर के प्रांगण में आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता मुंशीलाल ने की तथा संचालन शीशपाल ने किया।

पंचायत में यूनियन के कार्यकताओं ने क्षेत्र की समस्याओं पर विचार रखते हुए कहा कि क्षेत्र में घूम रहे आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भिजवाया जाए। डॉ स्वामीनाथन की रिपोर्ट के अनुसार किसान आयोग का गठन किया जाए। गांव सिरसा एतमाली से लेकर सिलारा तक हरि बाबा बांध पक्का कराया जाए।

प्रदेश में लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर को तत्काल प्रभाव से हटाकर उनके स्थान पर पुनः पोस्टपेड मीटर लगाए जाएं। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष डॉ योगेंद्रकुमार, ब्लॉक उपाध्यक्ष शीशपाल सिंह, कमल ठाकुर कोषाध्यक्ष, राकेश कुमार मीडिया प्रभारी, मुंशीलाल, धनपत, महावीर, बबलू आदि किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अमरोहा पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत बालिकाओं को किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में मिशन शक्ति के तहत थाना डिडौली की शक्ति दीदी टीम द्वारा प्राथमिक विद्यालय कालाखेड़ा में बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस दौरान टीम ने बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और आत्मरक्षा के बारे में जानकारी दी। साथ ही, उन्हें महिला सशक्तिकरण और बालिका शिक्षा के महत्व के बारे में भी बताया गया। शक्ति दीदी टीम ने बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090 और 112 के बारे में भी जानकारी दी और उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुए फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में ग्राम बरखेड़ा राजपूत एवं पलौला में फार्मर रजिस्ट्री का विशेष कैंप लगाया गया। इसी प्रकार मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में ग्राम टिकिया में भी फार्मर रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया गया।

जिलाधिकारी ने बताया कि किसान रजिस्ट्री को किसान आईडी या गोल्डन कार्ड भी कहा जाता है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जिसमें किसान की समस्त भूमि का विवरण दर्ज रहता है। अब प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, गेहूँ-धान-सरसों आदि फसलों की क्रय केंद्रों पर बिक्री, खाद-बीज खरीद, किसान क्रेडिट कार्ड, आपदा मुआवजा तथा कृषि, उद्यान, पशुपालन, सहकारिता आदि विभागों की सभी योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य हो गई है। उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के फायदे बताते हुए कहा कि खाद की दुकान पर केवल फार्मर रजिस्ट्री दिखाकर ही भूमि के अनुसार खाद प्राप्त की जा सकेगी, खतौनी दिखाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। क्रय केंद्रों पर फसल बेचते समय सत्यापन की जरूरत नहीं पड़ेगी। किसान क्रेडिट कार्ड मात्र तीन दिनों में बन जाएगा और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने किसानों से आह्वान करते हुए कहा कि अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवा लें। जो किसान अभी तक रजिस्ट्री नहीं बना पाए हैं, वे अपने नजदीकी जन सेवा केंद्र, लेखपाल, पंचायत सहायक या कृषि विभाग के कर्मचारियों से संपर्क करें। किसान स्वयं भी मोबाइल से ह्यसेल्फ रजिस्ट्रेशन मोड के माध्यम से आसानी से अपनी या परिवार के किसी सदस्य की फॉर्मर रजिस्ट्री बना सकते हैं। समय रहते रजिस्ट्री बना लेने से आपको सभी सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी परेशानी के प्राप्त हो सकेगा। फार्मर रजिस्ट्री बनवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजः- आधार से लिंक मोबाइल नंबर, आधार कार्ड, खतौनी या गाटा संख्या।

जनपद के समस्त किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायतवार कैंप लगाए जा रहे हैं, जिनमें लेखपाल, कृषि विभाग के कर्मचारी, पंचायत सहायक और जन सेवा केंद्र संचालक सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उप निदेशक कृषि डॉ. राम प्रवेश ने अवगत कराया कि फार्मर रजिस्ट्री के संतृप्तिकरण अभियान के अंतर्गत जनपद में ग्रामवार शिविर लगाकर फॉर्मर रजिस्ट्री बनाई जा रही है। अब विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दी गई है। जनपद अमरोहा के 82% किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करा दी गयी है और जनपद प्रदेश में 7वें स्थान पर हैं। आयोजित शिविरों में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक), उप जिलाधिकारी एवं उप निदेशक कृषि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं योजनाओं की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से जिले में संचालित विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सभी बीडीओ समेत सभी विभागीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया एवं अपने-अपने विभागों के प्रगति विवरण प्रस्तुत किए। जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में खराब रैंक पर नाराजगी व्यक्ति की और जल जीवन मिशन की समीक्षा की। उन्होंने अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देश दिए कि हाउस ऑफ कनेक्शन बढ़ाएं जाए। पंचायती राज विभाग की समीक्षा करते हुए प्रदेश में व्यक्तिगत शौचालय की जियो टैगिंग और उन बिंदुओं पर प्रदेश में खराब रैंक आने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और जिला पंचायत राज अधिकारी के स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने सामाजिक वनीकरण में जनपद की प्रदेश में निम्नतम रैंक आने पर डीएफओ के स्पष्टीकरण के निर्देश दिए और जिला उद्योग विभाग के ठीक से कार्य न करने पर नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने उद्योग विभाग और समाज कल्याण विभाग को निर्देश दिए कि इस वित्तीय वर्ष में शुरू से ही कार्य पर लग जाए ताकि प्रदेश में जनपद की रैंक अच्छी आ सके।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि 25 से 31 अप्रैल के बीच में सभी मॉनिटरिंग कर लें और मिशन- 500 के तहत चल रहे तालाबों के जीर्णोद्धार कार्यों के तहत कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक गौशाला में एक डॉक्टर एवं एडीओ पंचायत की संयुक्त टीम गठित कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जाए और रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम में महिलाओं की समस्याएं सुन डीएम निधि गुप्ता वत्स ने निस्तारण के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति" के फेज-5 (चरण-2) के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में "हक की बात जिलाधिकारी के साथ कार्यक्रम संपादित किया गया। कार्यक्रम में यौन हिंसा, लैगिंक असमानता, घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न और कन्या भ्रूण हत्या जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा की गयी। जिसमें जिलाधिकारी के समक्ष महिलाओं द्वारा प्रस्तुत 07 महिलाओं द्वारा अपनी समस्याओं को रखा जिनको डीएम निधि गुप्ता वत्स द्वारा गभीरता पूर्वक सुना गया तथा उन सभी महिलाओं को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कोई महिला अगर शिकायत लेकर थाने में जाती है तो पूरी गंभीरता के साथ महिलाओं की शिकायतों को सुनते हुए आवश्यक कार्यवाही करते हुए शिकायतकर्ता को संतुष्ट किया जाए। साथ ही उनके द्वारा कहा गया की घरेलू हिंसा से संबंधित जितने भी प्रकरण लंबित हैं ऐसे प्रकरणों में सर्वप्रथम दोनों पक्षों को बुलाकर उनकी वार्ता यन स्टाफ केंद्र एवं हर थाने पर खुला महिला शक्ति केन्द्र पर कराई जाए। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में सम्मिलित महिलाओं और बच्चियों को सशक्त होने के लिए प्रेरित किया। हक की बात जिलाधिकारी के साथ के बारे में बताते हुए जिलाधिकारी द्वारा कस्तुरबा गाँधी विद्यालय, अमरोहा की उपस्थित छात्राओं से कहा कि आपके मन में जो भी जिज्ञासाएं है उन्हें बिना किसी संकोच एवं झिझक के प्रकट कर सकते है। महोदया द्वारा कहा गया कि सरकार द्वारा बच्चियों के लिए बहुत सारी योजनाओं चल रही एवं अधिकांश शिक्षा निःशुल्क है, पढ़ने लिखने के लिए संसाधनों की कमी नहीं है। आपका जुझारूपन और बिल पावर ही आपको सफलता दिलाती है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए मिशन शक्ति फेज 5 के द्वितीय परण का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षाए सम्मान और स्वावलंबन की और अधिक मजबूती प्रदान करना। कार्यक्रम में राकेश सिंह जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन कार्यालय के समस्त कार्मिक आदि मौजूद रहे।

जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा करियर काउंसलिंग का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- शहर के राजकीय इंटर कॉलेज में जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा करियर काउंसलिंग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी डॉ. सुशील कुमार ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं को प्रधानाचार्य ललित कुमार की उपस्थिति में करियर संबंधित जानकारियां उपलब्ध कराई। डॉ. सुशील कुमार ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी युग में करियर चयन सावधानीपूर्वक करना चाहिए। उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों, स्वरोजगार योजनाओं, कौशल विकास कार्यक्रमों और उच्च शिक्षा के विकल्पों पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. साहब ने जोर दिया कि छात्र अपनी रुचि, योग्यता को ध्यान में रखकर लक्ष्य निर्धारित करें। उन्होंने आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बैंकिंग, रक्षा सेवाओं, शिक्षण क्षेत्र और उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं के बारे में चर्चा की। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने करियर संबंधी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य ललित कुमार ने डॉ. सुशील कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शिविर छात्रों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से अपील की कि वे इन जानकारियों का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर बने।शिविर का उद्देश्य युवाओं को सही दिशा प्रदान करना और बेरोजगारी की समस्या से निपटने में मदद करना था। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे छात्रों में जागरूकता बढ़ती है।

मंडी धनौरा में बजरंग दल कार्यकताओं ने फूंका पुतला

विकृत मानसिकता एवं अवैध कब्जे पर कार्यवाही की उठाई मांग

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को मंडी धनौरा में बजरंग दल के कार्यकताओं ने तहसील परिसर के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। देश में बढ़ती कथित जिहादी गतिविधियों, अवैध कब्जों और सुनियोजित षड्यंत्रों के विरोध में कार्यकताओं ने स्टेट हाईवे पर तहसील गेट के सामने पुतला फूंका। उन्होंने राष्ट्र विरोधी तत्वों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई के लिए केंद्रीय कानून बनाने की मांग की। सुरक्षा की दृष्टि से बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात रहे।

बता दें कि राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन में बजरंग दल ने 'लव जिहाद' और 'लैंड जिहाद' जैसे मुद्दों को राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बताया। कार्यकताओं ने तर्क दिया कि यह जाल अब सुशिक्षित समाज और प्रतिष्ठित व्यावसायिक क्षेत्रों में भी फैल चुका है, जिसका उदाहरण नासिक का टीसीएस (ळउर) प्रकरण है। ज्ञापन में उत्तर प्रदेश के जमालुद्दीन प्रकरण का उल्लेख करते हुए हिंदू युवतियों के शोषण और धर्मांतरण पर चिंता जताई गई। साथ ही, दिल्ली लाल किला ब्लास्ट से जुड़े संदिग्धों के तार एक विश्वविद्यालय से मिलने को भी सुरक्षा में बड़ी चूक बताया गया।बजरंग दल के जिला संयोजक योगेश चौधरी ने कहा कि वन विभाग, रेलवे और सेना की सुरक्षित भूमि पर सुनियोजित तरीके से अवैध कब्जे किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, खान-पान की वस्तुओं में अपवित्रता मिलाकर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिशों की भी कड़ी निंदा की गई।बजरंग दल की प्रमुख मांगों में लव जिहाद और जबरन धर्मांतरण रोकने के लिए सख्त केंद्रीय कानून बनाना शामिल है। उन्होंने सरकारी और सार्वजनिक भूमि से अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाने, मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में अल्पसंख्यक हिंदू परिवारों को सुरक्षा प्रदान करने और जनजातीय क्षेत्रों में शोषण रोकने हेतु विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित करने की भी मांग की।

प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष अशोक कुमार सैनी, जिला मंत्री विपिन शर्मा, प्रांत गौरक्षा प्रमुख हेमंत सारस्वत, जिला संयोजक योगेश चौधरी, वरिष्ठ कार्यकर्ता चमन सैनी, सचिन शर्मा, महेंद्र सैनी, दीपक उर्फ सोमवी सैनी, योगेश त्यागी, कुशल चौधरी और कमल ठाकुर, सुनील सैनी, अखिलेश भाटी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पटाखे जैसी तेज आवाज निकालने वाले वाहनों के खिलाफ एआरटीओ ने कि कार्यवाही

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में दोपहिया वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखे जैसी तेज आवाज निकालने और सड़क पर अराजकता फैलाने वाले युवाओं के विरुद्ध परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने सख्त कार्रवाई की योजना बनाई है। इसके तहत पहले अमरोहा गैराज संचालकों और दोपहिया वाहनों के डीलरों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने सभी गैराज मालिकों और डीलरों को सख्त निर्देश दिए कि यदि कोई वाहन मॉडिफाइड साइलेंसर लगवाने या सर्विस कराने आता है तो उसे तुरंत हटा दें और वाहन की पूरी डिटेल परिवहन विभाग को उपलब्ध कराएं।बैठक के बाद जनपद के विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान मोटरसाइकिलों की जांच की गई, जिसमें कुल 53 वाहनों की जाँच की गई। इनमें से 4 वाहनों में मॉडिफाइड साइलेंसर पाए गए, जिनके विरुद्ध सीज और चालान की कार्रवाई की गई।अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान जनपद में शांतिपूर्ण यातायात व्यवस्था बनाए रखने और युवाओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। मॉडिफाइड साइलेंसर न केवल प्रदूषण बढ़ाते हैं बल्कि अन्य वाहन चालकों और आम नागरिकों को भी परेशानी होती है।परिवहन विभाग और यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। आगे भी नियमित चेकिंग की जाएगी और दोषी पाए जाने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे भी ऐसे वाहनों की सूचना तुरंत यातायात पुलिस को दें।यह कदम अमरोहा में ट्रैफिक अनुशासन बनाए रखने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल माना जा रहा है।

यातायात पुलिस का सघन जागरूकता अभियान, सुरक्षित ड्राइविंग का दिया संदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई बस स्टैंड पर शुक्रवार को यातायात पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं यातायात प्रभारी के नेतृत्व में संचालित किया गया।

अभियान के दौरान यातायात पुलिस टीम ने बस स्टैंड और आसपास के क्षेत्रों में वाहन चालकों को रोककर उन्हें सुरक्षित ड्राइविंग के नियमों की जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सख्त हिदायत दी गई।

यातायात पुलिस ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का एक बड़ा कारण लापरवाही और नियमों की अनदेखी है। ऐसे में यदि चालक थोड़ी सी सतर्कता बरतें और यातायात नियमों का पालन करें, तो कई कीमती जानें बचाई जा सकती हैं। अभियान के दौरान लोगों को सेफ ड्राइव, सेव लाइफ का संदेश देते हुए नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया।

पुलिस ने आमजन से अपील की कि वे स्वयं भी जागरूक बनें और दूसरों को भी सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करें। पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल कानूनी बाध्यता नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

इस दौरान बड़ी संख्या में वाहन चालकों और स्थानीय लोगों ने अभियान में भाग लिया और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता दिखाते हुए नियमों का पालन करने का संकल्प लिया। पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत चंदौसी में कार्यक्रम आयोजित, निकली पदयात्रा

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चंदौसी द्वारा नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत ब्लॉक सभागार बनियाखेड़ा में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के सम्मान, सशक्तिकरण एवं जागरूकता को लेकर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से नारी शक्ति, उनकी भूमिका एवं समाज में उनके योगदान को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित किया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा।

इसके पश्चात अभियान के अंतर्गत एक पदयात्रा भी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लिया। पदयात्रा के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, सम्मान एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव महिलाओं के सम्मान और उनके उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के हित में अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है।

जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इससे संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्व मिलेगा और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में बराबरी का अवसर प्राप्त होगा। ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुगंधा सिंह ने कहा कि देशभर में महिलाएं प्रधानमंत्री के इस निर्णय का स्वागत कर रही हैं और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपना समर्थन जता रही हैं।

उन्होंने कहा कि यह कानून केवल आरक्षण नहीं, बल्कि महिलाओं को नेतृत्व के अवसर देने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री मनोज कठेरिया ने किया। इस अवसर पर साध्वी गीता प्रधान, सुधीर मल्होत्रा, विकास वार्ष्णेय, उमा श्रीवास्तव, सीमा शर्मा, रेखा सैनी, पूजा राणा, गुड़िया सैनी, अंजू आर्य प्रजापति, राजकुमार यादव, विजय यादव, शिवेंद्र राजपाल राणा, पुष्पलता पाल, रामपाल सिंह, पुष्पा, जमुना, प्रवेश, दानवती सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

जागरूकता बाइक रैली की तैयारी, अनुमति के लिए एसडीएम को सौंपा प्रार्थना पत्र

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में जागरूकता अभियान के तहत बाइक रैली आयोजित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस संबंध में राजीव गांधी पंचायती राज संगठन कांग्रेस कमेटी (सम्भल) के जिलाध्यक्ष पवन कुमार कठैरिया द्वारा उपजिलाधिकारी चन्दौसी को प्रार्थना पत्र देकर अनुमति मांगी गई है।

प्रार्थना पत्र में बताया गया है कि प्रस्तावित जागरूकता बाइक रैली 2 मई को सुबह लगभग 11:30 बजे ग्राम मुल्हैटा से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से होकर गुजरेगी। रैली का मार्ग ग्राम खेतापुर, राजपुर, दूधापुर, चितौरा, बमनेटा, बिसारू, लहरावन, मझौला, रायपुर, शमसोई, मऊकठेर, कनेटा (निकट बहजोई), केशोपुर रसैटा, अचलपुर, नगलिया कठेर, रम्पुरा, भरतरा और पुरा होते हुए बड़ा मैदान बहजोई में समाप्त होगा।

आयोजकों के अनुसार रैली में लगभग 100 से 150 बाइक सवार शामिल होंगे। रैली का उद्देश्य क्षेत्र में जागरूकता फैलाना और सामाजिक संदेश देना है। प्रार्थना पत्र में यह भी आश्वासन दिया गया है कि सभी प्रतिभागी यातायात नियमों का पूर्ण पालन करेंगे तथा पुलिस-प्रशासन का सहयोग करेंगे।

पवन कुमार कठैरिया ने प्रशासन से रैली को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने हेतु अनुमति प्रदान करने की मांग की है।

केनरा बैंक आरसेटी में डेयरी व कंप्यूटर प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

युवाओं को मिलेगा रोजगार का अवसर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जनपद के बहजोई स्थित केनरा बैंक आरसेटी द्वारा अप्रैल-मई माह में विभिन्न रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान ने युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से अलग-अलग ट्रेड में नए बैच शुरू करने की घोषणा की है।

संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग एवं वर्मीकम्पोस्ट निर्माण का 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 20 अप्रैल से शुरू किया जाएगा। वहीं, कंप्यूटर प्रशिक्षण का 38 दिवसीय कोर्स 27 अप्रैल से प्रारंभ होने का प्रस्ताव है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य अभ्यर्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाना है।

इच्छुक अभ्यर्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संस्थान पहुंचकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। संस्थान ने स्पष्ट किया है कि सीमित सीटों के चलते प्रवेश ह्यपहले आओ-पहले पाओह्व के आधार पर दिया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभागियों को अपने कौशल को विकसित करने और रोजगार के नए अवसर प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी मोबाइल नंबर 7906846414 एवं 8808222447 पर संपर्क कर सकते हैं।

नारी शक्ति वंदन अभियान को लेकर डीएम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नारी शक्ति वंदन अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिला सशक्तिकरण, जनजागरूकता और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका मुख्य लक्ष्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में जन आंदोलन तैयार करना है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और उनके नेतृत्व व निर्णय क्षमता को सशक्त बनाना इस अभियान की प्राथमिकता है।

उन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी देते हुए कहा कि यह कानून महिलाओं को राजनीति में उचित प्रतिनिधित्व दिलाने और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में भागीदार बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा अभियान के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली गई। साथ ही नारी शक्ति पदयात्रा, नुक्कड़ नाटक एवं अन्य जनजागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, डिप्टी कलेक्टर वंदना मिश्रा, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला पंचायती राज अधिकारी चेतेन्द्र पाल सिंह, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों में नारी शक्ति वंदन अभियान की धूम, छात्राओं ने निकाली जागरूकता रैली

सम्भल(सब का सपना):- नारी शक्ति वंदन योजना के अंतर्गत महिलाओं की भूमिका को सुदृढ़ करने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को जनपद के परिषदीय विद्यालयों में विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत सशक्त नारी, विकसित भारत के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

इस दौरान विद्यालयों में छात्राओं, शिक्षिकाओं एवं महिला अभिभावकों की सहभागिता से नारी शक्ति मानव श्रृंखलाएं बनाई गईं और विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। छात्राओं ने हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर रैलियां निकालीं, जिनमें महिला सशक्तिकरण, समान अधिकार और शिक्षा के महत्व जैसे संदेशों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया।

रैलियों में विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं महिला अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन से छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होती हैं, जिससे भविष्य में एक सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

कई गांव में धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती, निकली शोभायात्रा

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मानकपुर, अकरोली एवं करेली में संविधान निमार्ता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्मोत्सव बड़े ही सम्मान और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत समाजवादी नेत्री एवं चंदौसी विधानसभा-31 की उपविजेता विमलेश कुमारी द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर की गई। इसके बाद नीला झंडा दिखाकर भव्य शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया गया। पूरे क्षेत्र में जय भीम के नारों के साथ माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा।

इस अवसर पर अपने संबोधन में विमलेश कुमारी ने कहा कि बाबा साहेब द्वारा निर्मित संविधान देश के सभी वर्गों को समान अधिकार, सम्मान और अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि समाज का हर वर्ग, विशेषकर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समुदाय, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो और उन्हें सुरक्षित रखने के लिए एकजुट होकर आगे बढ़े।

उन्होंने युवाओं से शिक्षा, रोजगार, महंगाई और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे मुद्दों पर सजग रहने का आह्वान किया और समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सदैव जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाती रही है और आगे भी आमजन के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

अंत में उन्होंने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए सभी से एकजुट होकर प्रदेश के विकास, सामाजिक न्याय और समावेशी सोच को मजबूत करने तथा अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का संकल्प लेने की अपील की।

कार्यक्रम में महावीर, रहीश, गुरमुख सिंह, जीत सिंह, जगत सिंह, बबलू, शहीम, महावीर सिंह, अंकित यादव, रणजीत सिंह, प्रताप सिंह, अकरम मलिक, जारे आलम, बॉबी, अंकित, वीरपाल यादव, मनीष कुमार, विनोद कुमार, अजय कश्यप, विपिन यादव, विक्रांत सागर, सचिन सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सूचना

वैष्णवी कमलकश पुत्री विक्रम पता मोहल्ला राजीव नगर कस्बा व थाना गढ़मुक्तेश्वर, जिला हापुड़, उत्तर प्रदेश की वर्ष 2023 की हाई स्कूल मार्कशीट अनुक्रमांक 1230506454 व वर्ष 2025 इंटरमीडिएट की मार्कशीट जिसका अनुक्रमांक 2255436454 है कहीं खो गई है।

डॉ भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का किया गया आयोजन

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के आदेश अनुसार जनपद की नौगांवा सादात विधानसभा क्षेत्र के रानी बैंक्विट हॉल मखदुमपुर में संविधान के शिल्पकार रचयिता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रस्तावना जिला महामंत्री राजीव चौहान ने रखी संगोष्ठी के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख गुरेंद्र सिंह ढिल्लों ने संविधान के रचयिता डॉ भीमराव अंबेडकर के जीवन पर परिचय डाला कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यक्रम संयोजक जिला उपाध्यक्ष सुधीर चौहान ने की। वक्ताओं की कड़ी में पूर्व जिला अध्यक्ष डॉक्टर मोमराज गुर्जर ने डॉ भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखा गया संविधान के बारे में विस्तार से बताया और कहां की केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार वह उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को जो सम्मान देने का काम किया है वह अन्य सरकारों ने नहीं किया क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जो सबका सम्मान सबका विश्वास व सबका विकास करती है इस अवसर पर नौगांव सादात नगर पंचायत नामित सभासद वीरेंद्र सिंह सैनी, पूर्व महामंत्री चंद्रभान सिंह भाटी,मंडल अध्यक्ष राजीव चौधरी, अमित शर्मा,आलोक चौहान,भगवत चौहान,इकराम सैफी,अरशद हयात,करतार सिंह सैनी,सुमित चौहान, अजब सिंह चौधरी,कृष्ण बहादुर, थम्मन सिंह चौहान , रामनिवास गोला, शमीम सैफी आदि लोग उपस्थित रहे।

पुलिस ने गोकशी करने वाले गिरोह का किया खुलासा, मुठभेड़ में एक घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना चांदपुर पुलिस ने गौकशी की घटना का खुलासा करते हुए मुठभेड़ के दौरान चार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीन आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ में एक अभियुक्त के पैर में गोली लगी, जिसे पुलिस अभिरक्षा में उपचार के लिए भेजा गया है।

मामला ग्राम सब्दलपुर तेली क्षेत्र का है, जहां गौवंश के अवशेष मिलने पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इसी क्रम में पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर बेरखेड़ा

मार्ग पर कच्चे रास्ते के पास घेराबंदी की गई। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की।

पुलिस ने मौके से वसीम, फईम, तहसीन उर्फ कलवा और फरीद को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में वसीम घायल हो गया। वहीं नईम, अजीम उर्फ छंगा और एक अन्य आरोपी फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस कांबिंग कर रही है।

गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो दोपहिया वाहन, पशु काटने के उपकरण और नगदी बरामद की गई। इसके अलावा गौवंश का अवशेष भी मिला है।

पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि वे आवारा गौवंश को पकड़कर सुनसान स्थानों पर ले जाकर उनकी हत्या करते थे और मांस बेचकर अवैध कमाई करते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह का सरगना वसीम शातिर अपराधी है, जिस पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने मुठभेड़ और गौकशी के मामले में अलग-अलग अभियोग दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

10वीं बोर्ड में मेरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल का शानदार प्रदर्शन

कृतिका की कामयाबी पर स्कूल में जश्न का माहौल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के स्योहारा नगर स्थित मुरादाबाद मार्ग पर संचालित मेरी एंड जीसस कॉन्वेंट स्कूल ने इस वर्ष 10वीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का एक बार फिर परिचय दिया है। स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और अभिभावकों में खुशी का माहौल है। स्कूल की छात्रा कृतिका ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया और स्कूल टॉपर बनीं। वहीं सनूबी और प्राची ने 92.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप

से द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा परिधि ने 91.2 प्रतिशत अंक हासिल कर तृतीय स्थान पर अपनी जगह बनाई। कृतिका के शानदार प्रदर्शन की विशेष रूप से सराहना की जा रही है। उन्होंने विभिन्न विषयों में उच्च अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और स्कूल का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधक सीसी सिंह और प्रधानाचार्या अनीता सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि स्कूल भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट परिणाम देने के लिए प्रयासरत रहेगा। स्कूल परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें आगे भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

महिला ने युवक पर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और दुष्कर्म का लगाया आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- एक महिला ने युवक पर अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और दुष्कर्म का गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली शहर के अंतर्गत रहने वाली एक महिला ने एक युवक पर आरोप लगाते हुए बताया की आरोपी युवक का उसके घर पहले से ही आना-जाना था। आरोप है कि एक दिन जब वह घर में अकेली थी, तब आरोपी ने चुपके से उसका नहाते समय वीडियो बना लिया। महिला का आरोप है कि 22 मार्च 2026 को आरोपी ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे बिजनौर बुलाया और मेरठ रोड स्थित एक रेस्टोरेंट में ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। लोकलाज के डर से वह घटना को छिपाए रही। पीड़िता के अनुसार, 7 अप्रैल को जब वह अपने मायके में अकेली थी, तब आरोपी दो साथियों के साथ घर में घुस आया और विरोध करने पर मारपीट व अभद्रता की। इसी दौरान परिजन पहुंच गए, जिससे आरोपी भागने लगा, हालांकि एक को पकड़ लिया गया जिसे बाद में समझौते के तहत छोड़ दिया गया। पीड़िता का कहना है कि आरोपी अब भी वीडियो वायरल करने और जान से मारने की धमकी दे रहा है, जिससे वह दहशत में है। पीड़ित महिला ने पुलिस अधीक्षक से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बालिकाओं की सुरक्षा के लिए उठाया बड़ा कदम दिए निर्देश

बिजनौर (सब का सपना):- बालिकाओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से जनपद प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विद्यालयों में बालिकाओं का एचपीवी (HPV) टीकाकरण अनिवार्य रूप से कराया जाए। शुक्रवार को आयोजित इस बैठक में जिले के सभी शासकीय, अर्ध-शासकीय, सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड से संचालित विद्यालयों के प्रबंधक और प्रधानाचार्य उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) एक सामान्य संक्रमण है, जो आगे चलकर बालिकाओं में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर (Cervical Cancer) जैसी गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। ऐसे में 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग

की बालिकाओं का टीकाकरण प्राथमिकता से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) के माध्यम से टीकाकरण शिविर आयोजित किए जाएं, जिनमें प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों की उपस्थिति अनिवार्य रहे। टीकाकरण के बाद बच्चों को कुछ समय तक निगरानी में रखने के भी निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने विद्यालय प्रबंधन को यह भी निर्देश दिए कि अभिभावकों और छात्रों को HPV टीके के महत्व के प्रति जागरूक किया जाए, ताकि टीकाकरण अभियान को सफल बनाया जा सके।

बैठक में शिक्षा व्यवस्था को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जिन छात्रों को अभी तक पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं कराया गया है, उनके अभिभावकों के साथ बैठक कर जल्द से जल्द किताबें उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही विद्यालयों में अलग-अलग कक्षाओं के लिए उपयुक्त समय-सारिणी बनाकर ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त सभी विद्यालयों में शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालय, नियमित सफाई, चाइल्ड-फ्रेंडली वॉशरूम तथा समृद्ध पुस्तकालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए। छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए नियमित लाइब्रेरी पीरियड चलाने पर जोर दिया गया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अंशिका दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. के.पी. सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरण यादव, बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना सहित अन्य अधिकारी और विद्यालयों के प्रधानाचार्य मौजूद रहे।

स्मार्ट मीटर के विरोध में महिलाओं का प्रदर्शन, सड़क जाम कर जताया आक्रोश

चांदपुर/बिजनौर (सब का सपना):- स्मार्ट मीटर के विरोध में चांदपुर स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय के बाहर सैकड़ों महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार सुबह करीब 8 बजे से बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यालय के बाहर अपनी समस्याएं लेकर पहुंचीं, लेकिन काफी देर तक अधिकारी के न पहुंचने से आक्रोश बढ़ गया।

प्रदर्शन के दौरान नाराज महिलाओं ने सड़क जाम कर दिया, जिससे आवागमन प्रभावित हो गया। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिलाओं को समझा-

बुझाकर जाम खुलवाया और उनकी समस्याओं को गंभीरता से उठाया। ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों के कनेक्शन काटे जा रहे हैं, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि जिन उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं, उन्हें तत्काल जोड़ा जाए और स्मार्ट मीटर हटाकर पुराने मीटर लगाए जाएं।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो एक सप्ताह के भीतर बिजनौर में अधीक्षण अभियंता कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने भी आरोप लगाया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर के कारण बिजली बिल अनियंत्रित हो गए हैं और बिना चेतावनी बिजली काट दी जाती है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है।

फिलहाल मौके पर स्थिति सामान्य हो गई है, लेकिन महिलाओं और किसानों ने साफ कर दिया है कि यदि

संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक ने सीएचसी और पीएचसी का किया औचक निरीक्षण

बिजनौर (सब का सपना):- स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए संयुक्त स्वास्थ्य निदेशक (जेडी) मुरादाबाद मंडल डॉ. देवीदास ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा, पीएचसी सहसपुर और आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीएचसी परिसर की साफ-सफाई, ओपीडी, स्टोर रूम और प्रसूता वार्ड का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही ऑक्सीजन प्लांट की स्थिति और दवाओं की उपलब्धता की भी जानकारी ली। उन्होंने व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं देने के निर्देश दिए।

इसके अलावा आयुष्मान आरोग्य मंदिर महमूदपुर केंद्र पर पहुंचकर वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया और संबंधित स्टाफ को नियमित रूप से सेवाएं देने के लिए निर्देशित किया।

डॉ. देवीदास ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की और जमीनी स्तर पर इसकी स्थिति जानी। उन्होंने सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य केंद्रों का नियमित निरीक्षण कर आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए पर्याप्त मात्रा में दवाएं, ओआरएस और तरल पदार्थ उपलब्ध रखने, हीट वेव से निपटने के लिए विशेष व्यवस्थाएं करने तथा स्टाफ को प्रशिक्षित करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्योहारा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के आरोपी को किया गिरफ्तार

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में अपराध नियंत्रण और अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत स्योहारा पुलिस ने एक सफलता हासिल की है। पुलिस टीम ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने और उसके साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अभियुक्त के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी गई है।

प्राप्त विवरण के अनुसार, 16 अप्रैल

2026 को एक पीड़ित पिता ने थाना स्योहारा में तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। वादी का आरोप था कि जनपद के ही थाना शेरकोट क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव निवासी अजय उसकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया और उसके साथ अमर्यादित हरकतें व छेड़छाड़ की। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल सक्रियता दिखाई और अभियुक्त अजय के विरुद्ध बीएनएस की धारा 137(2), 87, 74 और 7/8 पॉक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला पंजीकृत किया।

थाना प्रभारी के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

लिंक गंगा एक्सप्रेसवे को लेकर किसानों की बैठक, 4 प्रमुख मांगें उठीं

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में शुक्रवार को गांव याकूबपुर बैलोठ में लिंक गंगा एक्सप्रेसवे को लेकर किसानों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपजिलाधिकारी व तहसीलदार शिकारपुर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

किसानों ने बताया कि 15 अप्रैल को किसान दिवस में उठाई गई मांगों पर जिलाधिकारी ने गंभीरता दिखाते हुए याकूबपुर बैलोठ, धतूरी, घुमरावली

व बनवारीपुर सहित कई गांवों में अधिकारियों को भेजकर चौपाल के माध्यम से संवाद कराया। इस दौरान मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया।

बैठक में किसानों ने चार प्रमुख मांगें रखीं कि एक्सप्रेसवे के लिए 4300 रुपये प्रति वर्ग मीटर मुआवजा, सर्विस रोड व अंडरपास की व्यवस्था, शिकारपुर-बुलंदशहर मार्ग पर चढ़ने-उतरने का रास्ता तथा प्रभावित कुआं, बोरिंग, पेड़ व मकानों का अतिरिक्त मुआवजा।

अधिकारियों ने किसानों की मांगों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए आश्वासन दिया कि उनकी बात शासन तक पहुंचाई जाएगी। वहीं, चौधरी कुलदीप गुड्डू ने चेतावनी दी कि यदि तीन दिन में मांगें पूरी नहीं हुईं तो कलेक्ट्रेट बुलंदशहर पर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा।

नारी वंदन शक्ति अधिनियम पर बुलंदशहर में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जिला प्रशासन द्वारा नारी वंदन शक्ति अधिनियम के अंतर्गत कलक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी निशा ग्रेवाल, नगर पालिका चेयरमैन दीप्ति मित्तल सहित शिक्षा, विधि, प्रशासन व सामाजिक क्षेत्र से जुड़ी

कई प्रमुख महिलाओं ने सहभागिता की। वक्ताओं में अंशु बंसल, हेमलता अधिवक्ता, सविता प्रजापति, ऋचा राणा, डॉ स्वाति यादव समेत अन्य ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और कानूनी जागरूकता पर अपने विचार रखे। इस दौरान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ लक्ष्मीकांत पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करने और सामाजिक व कानूनी सुरक्षा पर विशेष चर्चा की गई। अंत में सभी ने महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने का संकल्प लिया और समाज में महिलाओं के सम्मान व अधिकारों की रक्षा का संदेश दिया।

मोडिफाइड साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न को लेकर दी चेतावनी

बुलन्दशहर (सब का सपना):- परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के अनुपालन में जनपद के सभी वाहन डीलरों, मोटर गैराज एवं वर्कशॉप संचालकों को मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न व हूटर की बिक्री एवं स्थापना पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने पर मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 182ए(3) के तहत वर्कशॉप संचालकों पर प्रति मामले ड्1 लाख तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। वहीं, वाहन में अवैध परिवर्तन

कराने वाले वाहन स्वामियों के खिलाफ धारा 182ए(4) के तहत कार्रवाई करते हुए 6 माह तक की सजा या ड्5,000 तक जुमार्ना अथवा दोनों का प्रावधान है।

इसके अतिरिक्त धारा 190(2) के तहत ध्वनि व वायु प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई करते हुए 3 माह तक की सजा, ड्10,000 तक जुमार्ना और ड्राइविंग लाइसेंस निरस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे मामलों में वाहन का पंजीयन प्रमाण-पत्र (RC) भी निलंबित किया जा सकता है।

परिवहन विभाग ने सभी वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में मोडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न व अन्य ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले उपकरण न लगाएं, अन्यथा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू महाशक्ति की गंगानगर में बैठक, कई पदाधिकारियों का मनोनयन

बुलन्दशहर (सब का सपना):- गंगानगर स्थित पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय ठाकुर सतपाल सिंह के आवास पर भारतीय किसान यूनियन (महाशक्ति) की बैठक आयोजित हुई। बैठक का नेतृत्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने किया।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा डॉ. मंजू शुक्ला ने रानी देवी को प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा पद पर मनोनीत किया। वहीं मेरठ मंडल अध्यक्ष चंचल शर्मा के नेतृत्व में

जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा ठाकुर संगीता सिंह जादौन ने रेनू सिंह को जिला महामंत्री तथा मौ. आजाद को जिला संयोजक पद की जिम्मेदारी सौंपी।

बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही काली नदी की सफाई की मांग उठाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बजट उपलब्ध होने के बावजूद अधिकारियों की लापरवाही से नदी की स्थिति खराब है, जिससे हर वर्ष किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं। कार्यक्रम में बंटी सिंह लोधी, ठाकुर सुनील सिंह, ठाकुर नरेंद्र सिंह जादौन, संजू गोस्वामी, आदेश शर्मा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरियाणा में ग्रुप डी के कर्मचारियों को गेहूं खरीदने के लिए मिलेंगे 27 हजार रुपये

चंडीगढ़। हरियाणा में सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों (स्थायी एवं अस्थायी) को प्रदेश सरकार गेहूं खरीदने के लिए 27 हजार रुपये अग्रिम देगी। इसके लिए कोई ब्याज नहीं लिया जाएगा। यह सुविधा केवल अपने या परिवार की खपत के लिए गेहूं खरीदने वाले कर्मचारियों को ही मिलेगी। मुख्य सचिव कार्यालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार इच्छुक कर्मचारी सात मई तक निर्धारित आवेदन फार्म भरकर अकाउंट्स एंड पार्टीशन ब्रांच में जमा करा सकते हैं। आवेदन शाम चार से पांच बजे के बीच ही स्वीकार किए जाएंगे।इसके बाद कोई भी आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। आवेदन फार्म मुख्य सचिवालय की वेबसाइट www.csharyana.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है। अग्रिम की पूरी राशि किस्तों में वसूल ली जाएगी। अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारी की सिफारिश पर ही यह अग्रिम दिया जाएगा। पति-पत्नी दोनों सरकारी नौकरी में होने पर केवल एक को ही यह लाभ मिलेगा। डेपुटेशन पर गए कर्मचारियों, वर्क-चार्ज्ड, कंटिंजेंट, दैनिक मजदूरों और अनुबंध कर्मचारियों को यह सुविधा नहीं मिलेगी। अग्रिम लेने के एक माह के अंदर कर्मचारी को प्रमाणपत्र देना होगा कि राशि गेहूं खरीदने में ही खर्च की गई है।

भा.कि.यू (आजाद) के कार्यकर्ताओं ने नगर पालिका अधिकारियों के साथ की बैठक

गुलावठी/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पालिका गुलावठी क्षेत्र के मोहल्ला पीरखां में डंपिंग यार्ड की गंभीर समस्या को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (आजाद) के पदाधिकारियों ने नगर पालिका अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में क्षेत्रवासियों को हो रही परेशानियों को प्रमुखता से उठाया गया। बैठक के दौरान बताया गया कि मोहल्ला पीरखां में कुछ निजी प्लॉटों में अवैध रूप से कूड़ा डालकर डंपिंग यार्ड बना दिए गए हैं। वहीं नगर पालिका के अधिकृत डंपिंग यार्ड में आए दिन आग लगने की घटनाएं हो रही हैं, जिससे आसपास रहने वाले बुजुर्गों, बच्चों और युवाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जहरीले धुएं के कारण लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। हाल ही में एक 6 वर्षीय बच्ची की हालत गंभीर होने पर उसे बड़े अस्पताल के लिए रेफर करना पड़ा। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन आजाद के पदाधिकारियों ने अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि डंपिंग यार्ड में आग लगने से रोकने के लिए प्रतिदिन तीन टेंकर पानी से छिड़काव कराया जाएगा। साथ ही, निजी प्लॉटों में बने अवैध डंपिंग यार्ड को हटाने के लिए एक महीने का समय निर्धारित किया गया। राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव (युवा) जकी गौहरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि एक महीने के भीतर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगा। प्रदेश सचिव चौधरी सलमान कुरैशी ने कहा कि इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित उसी वार्ड के निवासी हैं, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने नगर पालिका से शीघ्र समाधान की मांग की। जिलाध्यक्ष युवा मोहसिन कुरैशी ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (आजाद) हमेशा किसान, मजदूर और गरीबों की आवाज उठाती रही है और आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। बैठक में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव (युवा) जकी गौहरी, प्रदेश सचिव चौधरी सलमान राणा, बुलंदशहर युवा

जिलाध्यक्ष मोहसिन कुरैशी, हापुड़ जिलाध्यक्ष चौधरी जमाल राणा, जिला मीडिया प्रभारी अमन अब्बासी, जिला पंचायत प्रत्याशी खालिद राणा सहित सैकड़ों पदाधिकारी मौजूद रहे।

जीजेयू प्रदर्शन मामले में दिग्विजय चौटाला समेत कई पर केस, 6 आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जीजेयू) में हुए प्रदर्शन, घुसपैठ और तोड़फोड़ के मामले में हिसार पुलिस ने कार्रवाई तेज करते हुए दिग्विजय समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने मामले में 6 आरोपितों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सुरक्षा कारणों के चलते छात्र संवाद कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी गई थी। इसके बावजूद करीब 250-260 लोगों की भीड़ यादव धर्मशाला में एकत्रित हुई। दोपहर करीब 12:10 बजे भीड़ विश्वविद्यालय की ओर बढ़ी और गेट नंबर-3 पर तैनात पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की। आरोप है कि उपद्रवियों ने जबरन परिसर में प्रवेश कर कुलपति (वीसी) कार्यालय के गेट को क्षतिग्रस्त कर दिया और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया।मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना शहर हिसार में दिग्विजय समेत कई अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें आपराधिक अतिचार, दंगा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने तथा लोक सेवक के कार्य में बाधा डालने जैसी धाराएं शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपितो को अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और सीसीटीवी फुटेज व अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

हरियाणा निकाय चुनाव 2026 को लेकर तैयारियां तेज, बीजेपी ने संकल्प पत्र समिति का किया गठन; इन दिग्गजों को मिली जिम्मेदारी

चंडीगढ़। बीजेपी ने हरियाणा में आगामी नगर निकाय चुनाव-2026 को लेकर अपनी तैयारियों को तेज करते हुए राज्य स्तर पर संकल्प पत्र निर्माण समिति का गठन कर दिया है। पार्टी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार यह समिति चुनाव के लिए पार्टी का विजन डॉक्यूमेंट तैयार करेगी। प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली के हस्ताक्षर से जारी पत्र में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इसमें राज्य सरकार के मंत्री विपुल गोयल, प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया, पानीपत की मेयर कोमल सैनी, प्रदेश उपाध्यक्ष वेदपाल एडवोकेट और स्वच्छ भारत मिशन के वाइस चेयरमैन सुभाष चंद को शामिल किया गया है।पार्टी सूत्रों के मुताबिक, यह समिति शहरी विकास, सफाई व्यवस्था, बुनियादी ढांचे, जल निकासी, ट्रैफिक प्रबंधन और स्मार्ट सिटी जैसे मुद्दों पर आधारित एक व्यापक संकल्प पत्र तैयार करेगी, जिसे चुनाव प्रचार के दौरान जनता के सामने रखा जाएगा।गौरतलब है कि हरियाणा में हरियाणा नगर निकाय चुनाव 2026 के तहत तीन नगर निगम- पंचकूला, अंबाला और सोनीपत, सहित कई नगर परिषदों और नगर पालिकाओं में 10 मई को मतदान होगा, जबकि 13 मई को मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार शहरी निकाय चुनावों में विकास और स्थानीय मुद्दे प्रमुख रहेंगे, ऐसे में पार्टियों के संकल्प पत्र की भूमिका निर्णायक हो सकती है। भाजपा की ओर से समिति गठन को चुनावी रणनीति के अहम कदम के रूप में देखा जा रहा है।

हरियाणा के सरकारी स्कूलों में आईटीसी लैब का होगा आधुनिकीकरण, छात्रों को मिलेगी आधुनिक तकनीकी शिक्षा

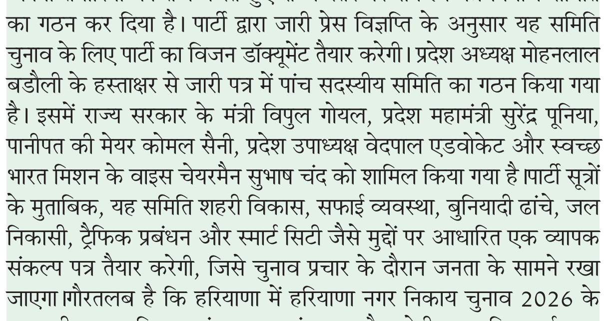

चंडीगढ़। नायब सरकार द्वारा बजट में की गई घोषणाओं पर अमल होने लगा है। करीब दस साल पहले प्रदेश के एक हजार से अधिक राजकीय विद्यालयों में इंफार्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी लैब (आईटीसी) का नवीनकरण होगा। इसके लिए पहली किस्त के रूप में सरकार ने पंद्रह करोड़ की रकम शिक्षा निदेशालय के नाम जारी कर दी है। मई माह से आइटीसी लैब को अत्याधुनिक बनाने का काम आरंभ कर दिया जाएगा। तकनीक के नए उपकरण आने की वजह से पहले से जिन राजकीय स्कूलों में लैब चल रही है। उन्हें तकनीक और कौशल विकास की नींव मजबूत करने के लिए और भी अत्याधुनिक बनाने की जरूरत समझी गई। पहले जो कंप्यूटर और प्रोसेसिंग यूनिट लगी हुई थी और साप्टवेयर प्रयोग में लाए जा रहे थे, वह एआइ युग में ट्रेनिंग लेने वाले छात्रों के लिए अब फिट नहीं माना जा रहा है। अब छात्रों को आधुनिक तकनीक और उद्योगों से जुड़े कौशल में पारंगत बनाने की जरूरत समझी जा रही है। यही वजह है कि एलईडी आधारित लैब बनाने का निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार ने अपने बजट पर व्यावसायिक तथा उद्यमिता युक्त शिक्षा पर बल देते हुए बजट बढ़ाने की घोषणा की थी। प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढ़ाडा ने कहा कि दसवीं पास करने के बाद बच्चों को तकनीक और कौशल विकास बढ़ाने वाली शिक्षा पर बल दिया जा रहा है। जिसके तहत ही लैब को अत्याधुनिक बनाने पर प्रदेश सरकार जो र दे रही है। आइटीसी लैब को नए तरीके से तैयार करने के लिए मई माह से कार्य आरंभ कर दिया जाएगा।

हरियाणा की बेटी नवनीत कौर बनीं भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान, 206 मैचों का अनुभव आएगा काम

शाहाबाद। अर्जेंटीना में 13 से 17 अप्रेल तक होनी वाली महिला हॉकी सीरिज में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी शाहाबाद की बेटी व ओलंपियन नवनीत कौर करेंगी। उन्हें भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी सौंपी गई। अर्जेंटीना दौरे पर टीम की अगुवाई कर रही नवनीत का यह सफर न सिर्फ उनके लिए बल्कि प्रदेश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। कोच बलदेव सिंह से प्रशिक्षित नवनीत कौर ने अपनी मेहनत, लगन और शानदार प्रदर्शन से यह मुकाम हासिल किया है। वह पहले ही ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और अब टीम की कप्तान बनकर एक नई जिम्मेदारी निभाएंगी। उनकी सफलता के पीछे उनके कोच बलदेव सिंह का बड़ा योगदान रहा है। खेल चुकी है 206 से अधिक इंटरनेशनल मैच

फारवर्ड खिलाड़ी नवनीत कौर अब तक 206 से अधिक इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। अर्जेंटीना दौरे में

कप्तानी संभालते हुए नवनीत कौर पर टीम को बेहतर प्रदर्शन दिलाने की जिम्मेदारी है। उनकी आक्रामक खेल शैली और अनुभव टीम के लिए बड़ी ताकत मानी जा रही है।खास बात यह है कि यह दौरा आने वाले बड़े टूनार्मेंट्स से पहले टीम के लिए अहम तैयारी का हिस्सा है, ऐसे में उनकी कप्तानी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। गौरतलब है कि उन्होंने वर्ल्ड क्वालीफाई मुकाबले में विजयी गोल करके भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए वर्ल्ड कप में खेलने का टिकट पक्का किया।इस चैपिंयनशिप में उन्हें प्लेयर ऑफ दी टूर्नामेंट भी चुना गया। भाजपा नेता सुभाष कलसाना, एडवोकेट मनदीप रावा, डॉ. आरएस घुम्मन, जयपाल चढ़ूनी, स्वर्णजीत सिंह कालड़ा बिट्टू, पार्षद ईशा सचदेवा, पार्षद नवनीत कौर उन्हें बधाई दी। जीत के लिए तैयार है टीम नवनीत कौर ने मोबाइल पर बातचीत में इस उपलब्धि का श्रेय कोच बलदेव सिंह को देते हुए बताया कि पूरी टीम इस चैपिंयनशिप में जीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि टीम वर्क के साथ ही किसी भी जीत को हासिल किया जा सकता है।

कैथल में बिजली कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन, जेई के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने का किया विरोध

कैथल। राजीव गांधी विद्युत सदन परिसर में हरियाणा सरकार में बिजली मंत्री अनिल विज द्वारा कष्ट निवारण समिति बैठक में सर्कल नंबर-1 के जेई राजबीर के खिलाफ दर्ज करवाई गई एफआईआर के विरोध में गेट मीटिंग का आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न सर्कल अपने-अपने स्तर पर गेट मीटिंग कर इस एफआईआर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। चारों सर्कल के कर्मचारी राजीव गांधी विद्युत सदन परिसर में एकत्र होकर विरोध जता रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कैथल सिटी नंबर-2 के प्रधान शमशेर बैनीवाल ने की, जबकि मंच संचालन सर्कल डिवीजन के

सचिव नीरज यादव ने किया। इस दौरान यूनिट प्रधान ओमप्रकाश चंदाना, यूनिट सचिव राजबीर जेई और यूनियन चेयरमैन दिलबाग सैनी सहित अन्य पदाधिकारियों ने बिजली मंत्री अनिल विज और हरियाणा सरकार के खिलाफ जोरदार रोष प्रदर्शन किया।उन्होंने आरोप लगाया कि कष्ट निवारण समिति की बैठक में बिना कर्मचारियों का पक्ष सुने ही नियमों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है और लगातार कर्मचारियों को सस्पेंड व झूठी एफआईआर दर्ज कर उनका शोषण किया जा रहा है। वक्ताओं ने कहा कि इससे ईमानदारी से काम करने वाले कर्मचारियों का मनोबल गिर रहा है और कार्यप्रणाली पर भी विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक इस कथित झूठी एफआईआर को रद नहीं किया जाता, तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा और यूनियन आगे और कड़ा संघर्ष करने को मजबूर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इस दौरान किसी प्रकार की सामाजिक या औद्योगिक शांति भंग होती है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली मंत्री अनिल विज और हरियाणा सरकार की होगी। इस मौके पर होशियार जेई, प्रदीप जेई, तरसेम सैनी जेई, गुरसेव लाइनमैन, पुनील गोयत, मुकेश कुमार, पवन एलडीसी, अशोक, सुरेश कुमार लाइनमैन, प्रवीण राणा, इंद्र सिंह, राहुल, बिल्लू मान, नीरज, पुरेंद्र ढुल, बलराज, मीनू, वीना, राजेश धारीवाल, अनूप, विनोद, पतीश बालू, वेदपाल, विकास, जय भगवान, पोनू शर्मा, विक्रम, कर्मजीत, पुनीता लाइनमैन, नरेश, बादल, असमेर ढांडा जेई, रामनिवास लाइनमैन सहित भारी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

'मुझ पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की, बंदूकें तानी'; हरियाणा पुलिस पर दुष्यंत चौटाला के गंभीर आरोप

हिसार। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री और जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला ने हिसार पुलिस पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। दुष्यंत का दावा है कि जब वे अपने कार्यकताओं की गिरफ्तारी के विरोध में एसपी कार्यालय जा रहे थे, तब सीआईए (CIA) की टीम ने न केवल उनका रास्ता रोका, बल्कि उन पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास भी किया। प्रेस वार्ता के दौरान आपबीती सुनाते हुए दुष्यंत चौटाला ने कहा कि पुलिस ने पहले मेरी गाड़ी के सामने अपनी गाड़ी लगाकर मुझे रोका। जब मैंने नीचे उतरकर बात करनी चाही, तो उन्होंने मुझ पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की। हद तो तब हो गई जब पुलिसकर्मियों ने मुझ पर वेपन (हथियार) तक तान दिए। दुष्यंत ने इस पूरी घटना को लोकतंत्र के लिए काला दिन बताते हुए तुरंत कार्रवाई की मांग की है।क्या है पूरा विवाद?

यह पूरा हंगामा 16 अप्रैल को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय (GJU) में हुए एक प्रदर्शन से शुरू हुआ। जेजेपी युवा विंग के नेतृत्व में जीजेयू में एक संवाद कार्यक्रम को लेकर प्रदर्शन हुआ था। आरोप है कि इस दौरान गेट तोड़े गए और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस ने दिग्विजय चौटाला समेत 6-7 नामजद और 250 अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। 17 अप्रैल यानी आज सुबह से ही हिसार में तनाव का माहौल रहा। दिग्विजय चौटाला और अन्य नेता गिरफ्तारी देने थाने पहुंचे। दो गमले टूटने पर 12 टीमें? जेजेपी ने उठाए सवाल दुष्यंत चौटाला ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का संवाद कार्यक्रम शांतिपूर्ण होना था, लेकिन पुलिस ने इसे हिंसक बना दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि महज दो गमले टूटने के आरोप में पुलिस की 12 टीमें गठित कर हमारे पदाधिकारियों को अपराधियों की तरह उठाया जा रहा है। यह पुलिसिया कार्रवाई नहीं, बल्कि राजनीतिक साजिश है।

एसपी ऑफिस में धरने की तैयारी

सिटी थाने से सीधे एसपी ऑफिस पहुंचे दुष्यंत चौटाला ने साफ कर दिया है कि जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई नहीं होती और कार्यकताओं को रिहा नहीं किया जाता, वे पीछे नहीं हटेंगे। जेजेपी इस पूरे मामले को सरकार के इशारे पर की गई कार्रवाई बता रही है।

मासूम शर्मा ने देहरादून विवादित बोल पर फिर माफी मांगी

चंडीगढ़। हरियाणवी गायक मासूम शर्मा ने देहरादून में एक कार्यक्रम के दौरान आपत्तिजनक बोल पर छिड़े विवाद में फिर माफी मांगी है। साथ ही सफाई दी कि उन्हें जान से मारने की धमकी मिली थी, जिसके बाद से वह मानसिक तनाव में हैं। विवादित बोल को लेकर उन्होंने राज्य महिला आयोग को भी ई-मेल के माध्यम से अपना जवाब भेज दिया है, लेकिन व्यस्तता के चलते वह अभी आयोग के दफ्तर में व्यक्तिगत रूप से पेश नहीं हो पाएंगे। मासूम शर्मा शुक्रवार को अपनी फिल्म 'लाइसेंस' का प्रमोशन करने के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा, निर्देशक और लेखक रणजीत चौहान, महिला कलाकार निशा शर्मा सहित अपनी टीम के साथ चंडीगढ़ पहुंचे थे। इसी दौरान पत्रकारों ने उनसे जुड़े विवादों पर सवाल पूछे तो वह भड़क गए। अमर्यादित भाषा पर घिरे मासूम ने हालांकि यह कहते हुए स्थिति को संभाला कि मैं अभी भी मानसिक

दबाव में हूं, जिसकी वजह से ये हुआ है। उन्होंने बताया कि मुझे फोन पर धमकी दी गई थी कि अपना और परिवार को 20-25 करोड़ रुपये का बीमा करा लो। साथ ही अमेरिका में चचेरे भाई को फोन पर धमकाया कि अपनी भारत वापसी के लिए टिकट कटा लो। धमकी देने वाला व्यक्ति मेरा जानकार है, लेकिन उसका नाम लेकर उसे स्टार नहीं बनाना चाहता। वह सरकार के मंच पर नजर आता रहा है और कई मौकों पर भाजपा का पटका डाले दिखता है।देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में भी मुझे वे लोग दिखाई दिए तो मैं तनाव में आ गया, जिसके बाद सारा विवाद हुआ। देवभूमि के लोगों को अगर अभी भी कोई गिला है, तो मैं फिर माफी मांगता हूं। मासूम ने कहा कि लोग बातें करते हैं, लेकिन पीछे की सच्चाई नहीं जानते। मैंने राज्य महिला आयोग को जवाब भेज दिया है। जहां पर एफआइआर हुई है, वहां फिजिकली भी जाऊंगा। उन्होंने दोहराया कि धमकी के मामले में वह भी एफआइआर कराएंगे। यह सिर्फ ईगो का मामला है। उम्मीद है कि पुलिस जल्द कार्रवाई करेगी। यशपाल शर्मा और मासूम शर्मा ने हरियाणवी फिल्म पॉलिसी में गिनाईं खामियां यशपाल शर्मा और मासूम शर्मा ने हरियाणवी फिल्म पालिसी में खामियां गिनाते हुए कहा कि इसमें सुधार की जरूरत है। सब्सिडी के लिए लोकेशन के प्वाइंट कर हरियाणवी बोली और संस्कृति के प्वाइंट बढ़ाने चाहिए। यशपाल शर्मा ने कहा कि तीन करोड़ रुपये की लागत से बनी फिल्म दादा लख्मी के लिए एक करोड़ रुपये की सब्सिडी मिली, लेकिन हरियाणा में शूटिंग के नाम पर 50 लाख रुपये में बनी पंजाबी फिल्म को दो करोड़ रुपये दे दिए गए। गन और शराब का लाइसेंस भी तो सरकार देती, फिर गानों पर प्रतिबंध क्यों बंदूक संस्कृति और शराब से जुड़े गानों पर प्रतिबंध और विवाद के मुद्दे पर बॉलीवुड अभिनेता यशपाल शर्मा ने कहा कि ऐसे तो मोबाइल पर भी प्रतिबंध लगा देना चाहिए। मोबाइल में भी पोर्न फिल्म और आपत्तिजनक कंटेंट धड़ल्ले से देखा जाता है। ऐसे तो धुरंधर फिल्म पर भी रिलीज नहीं होने देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कलाकार तो वही कंटेंट देता है जो पब्लिक पसंद करती है।

फरीदाबाद से गुरुग्राम-नोएडा का सफर होगा सुपरफास्ट, एक ही रूट पर रैपिड रेल और एलिवेटेड रोड का प्लान तैयार

फरीदाबाद। पूर्वी-पश्चिमी शहर की कनेक्टिविटी के लिए एलिवेटेड और गुरुग्राम-फरीदाबाद-नोएडा की कनेक्टिविटी वाली नमो भारत रैपिड रेल परियोजना का रूट समानांतर रहेगा। यानी बाटा रेलवे पुल के पास से ही दोनों परियोजनाओं के लिए एलिवेटेड रूट तय होगा।

परियोजना को देख रहे फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों ने इस रूट का सर्वे कर लिया है। बाटा पुल के पास दोनों परियोजनाएं एक-एक पिलर पर आएंगी, मौके पर इतनी जगह तलाश ली जाएगी। अब अगले सप्ताह प्राधिकरण के अधिकारी रेल परियोजना विभाग के अधिकारियों संग बैठक करेंगे। उन्हें भी मौका मुआयना कराया जाएगा। इसके बाद यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो जुलाई या अगस्त में इस परियोजना के टेंडर किए जा सकते हैं।यानी इस बड़ी परियोजनाओं पर इसी साल काम शुरू करने की कवायद चल रही है। ताकि सीएम की अध्यक्षता में होने वाली प्राधिकरण की अगली बैठक में इस परियोजना को शुरू करने का श्रेय लिया जा सके। दोनों परियोजनाएं हैं जरूरी

नमो भारत रैपिड रेल परियोजना के तहत गुरुग्राम से फरीदाबाद होते हुए रैपिड रेल नोएडा के सेक्टर 142

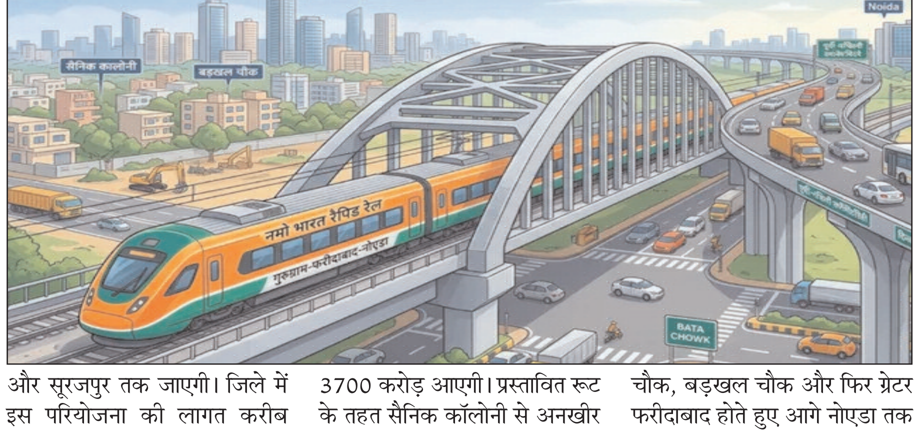

और सूरजपुर तक जाएगी। जिले में इस परियोजना की लागत करीब 3700 करोड़ आएगी। प्रस्तावित रूट के तहत सैनिक कॉलोनी से अनखीर चौक, बड़खल चौक और फिर ग्रेटर फरीदाबाद होते हुए आगे नोएडा तक है।उधर, पूर्वी-पश्चिमी शहर की कनेक्टिविटी के लिए एलिवेटेड पुल की शुरूआत सैनिक कॉलोनी से होते हुए मस्जिद चौक को पार कर प्याली-हार्डवेयर चौक से होते हुए सीधे बाटा रेलवे पुल को पार कर कोर्ट रोड से होते हुए दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से कनेक्ट होगा। इस परियोजना पर 682.48 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस परियोजना से शहर में एक स्थान से दूसरी जगह जाना बेहद आसान हो जाएगा। पूर्वी-पश्चिमी फरीदाबाद कनेक्टिविटी वाली परियोजना की डीपीआर तो बीते साल ही बन गई थी। इसके बजट को भी मुख्यमंत्री स्वीकृति दे चुके हैं।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिर्खइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

निकिता गांधी ने 'तू ही दिसदा' को बताया जेन-जी के लिए खास तोहफा

अक्षय कुमार की आगामी हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' का का नया रोमांटिक गाना 'तू ही दिसदा' हाल ही में रिलीज हुआ, जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। यह गाना अरिजीत सिंह और निकिता गांधी की शानदार आवाज में हैं। इसका संगीत प्रीतम ने दिया, जबकि बोल कुमार द्वारा लिखे गए हैं। गायिका निकिता गांधी ने हाल ही में बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने गाने को जेन जी जेनरेशन को समर्पित बताया। निकिता का मानना है कि यह गाना आज की युवा पीढ़ी, यानी कि जेन जी के लिए बेहतरीन उदाहरण है। यह गाना सुनकर लगता है जैसे कोई सपना हो, जो दिल में बस जाता है। उन्होंने कहा, 'इस गाने का हिस्सा बनकर मैं बेहद खुश हूं। यह एक बहुत ही प्यारा गाना है, जिसके जरिए एक बार फिर मैं, अरिजीत और प्रीतम दादा एक बार फिर साथ में आए। हालांकि, हमने पहले भी कई बेहतरीन गाने दिए हैं और यह भी उनमें से एक है।' गायिका ने आगे गाने की धुन की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि इस गाने की धुन भारतीय है और इसमें देसी टच, पियानो ट्रैक भी है, जो भारतीय रोमांटिक गाने के साथ खूबसूरती से मेल खाता है। आज की युवा पीढ़ी के लिए यह गाना परफेक्ट है। गायिका ने आगे रीमिक्स और ओरिजिनल गानों पर भी अपने विचार शेयर किए।

उन्होंने कहा कि दोनों अपनी जगह अच्छे हैं। हर चीज के अच्छे और बुरे पहलू होते हैं। रीमिक्स इसलिए ज्यादा पसंद किए जाते हैं क्योंकि लोग उन गानों से पहले से परिचित होते हैं। निकिता ने कहा, 'जब मैं स्टेज पर पुराना गाना जैसे 'रात बाकी, बात बाकी' का रीमेक गाती हूं, तो कॉलेज गिग या टीचर्स के सामने हर कोई उसे पहचान लेता है।

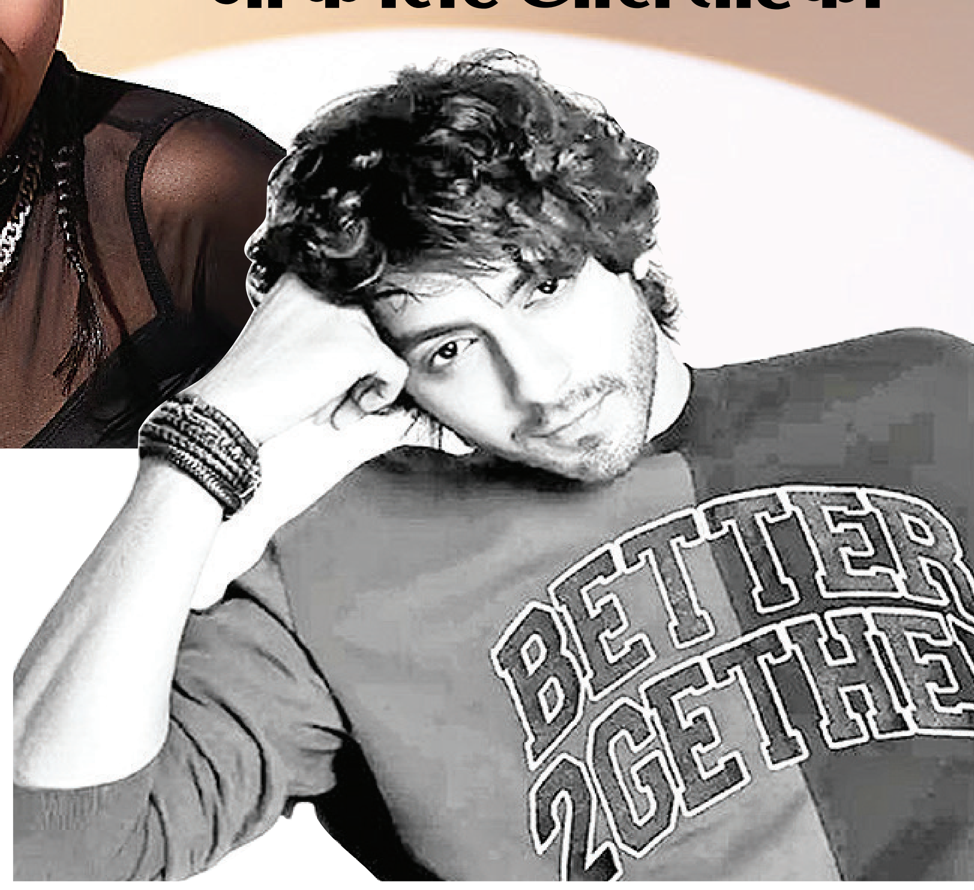

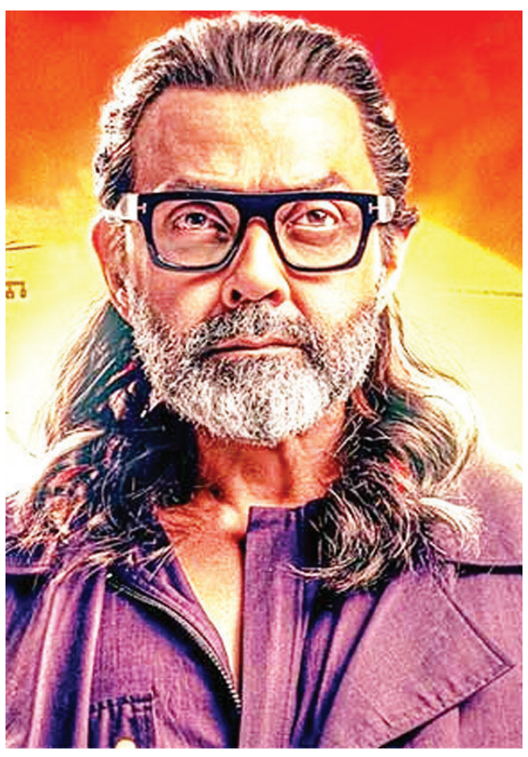

'सैयारा' की रोमांटिक इमेज छोड़

अब रफ लुक में दिखेंगे अहान पांडे

फिल्म 'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे एक बार फिर चर्चा में हैं. अपनी पहली फिल्म में रोमांटिक इमेज बनाने वाले अहान अब डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक अलग लुक में नजर आएंगे. बॉलीवुड एक्टर अहान पांडे इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर हर तरफ छाए हुए हैं. फिल्म 'सैयारा' में अपनी मासूमियत और रोमांटिक अंदाज से सबका दिल जीतने के बाद, अहान अब बॉलीवुड के दिग्गज डायरेक्टर अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में एक दमदार और अनोखे किरदार में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म के जरिए अहान अपनी रोमांटिक बॉय वाली इमेज को पूरी तरह बदलने जा रहे हैं, जिसे लेकर फैंस के बीच अभी से काफी एक्साइटमेंट बनी हुई है.

गैंगस्टर के रोल में आएंगे नजर

वैरायटी इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, अहान पांडे इस नई फिल्म में एक गैंगस्टर का किरदार निभा रहे हैं. इस रोल के लिए खुद पर खास काम करना शुरू कर दिया है. फिल्म की शूटिंग 3 अप्रैल से मुंबई में शुरू हो चुकी है. मुंबई का शेड्यूल पूरा करने के बाद फिल्म की पूरी टीम आगे की शूटिंग के लिए लंदन रवाना होगी. मेकर्स का लक्ष्य है कि साल 2027 की शुरुआत तक इस फिल्म को पूरा कर लिया जाए.

डेढ़-दो साल से नहीं पी शराब

'एनिमल' की सफलता के बाद से बॉबी देओल लगातार बॉलीवुड से लेकर साउथ तक की फिल्मों में सक्रिय हैं। वो कई बड़ी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। वहीं आने वाले वक्त में भी उनकी पाइपलाइन में कई बड़ी फिल्में हैं। हालांकि, बीच में जब बॉबी का मुश्किल वक्त था, तब वो शराब के आदी हो गए थे। जिसके चलते उनके रिश्तों और संबंधों पर भी इसका असर दिखने लगा था। लेकिन जल्द ही बॉबी को अपनी इस गलती का एहसास हो गया और उन्होंने इस आदत को छोड़ दिया। हाल ही में बॉबी ने अपने उस वक्त को याद किया और एक अभिनेता के लिए उसका चेहरा और शरीर कितना जरूरी होता है, इसको लेकर बात की। एस्क्वायर इंडिया के साथ बातचीत के दौरान बॉबी ने कहा कि एक अभिनेता के लिए आपका शरीर और आपका चेहरा ही वो चीजें हैं जिन्हें आप बेचते हैं। मैं इसके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकता। जैसे-जैसे मेरी उम्र बढ़ रही है, मैं कुछ साल पहले की तुलना में जल्दी थक जाता हूं। मुझे अपना ज्यादा ख्याल रखना होगा। मैं अब पिछले डेढ़ साल से शराब नहीं पी रहा हूं। शराब छोड़ने से मेरे आसपास का माहौल भी बदल गया है। इस दौरान मुझे इसकी कमी भी महसूस नहीं होती। बल्कि, मैं सोचता रहता हूं कि अरे, ये इतना आसान था? दो जन्मदिन और दो नए साल बीत गए हैं और मुझे शराब पीने की इच्छा नहीं हुई। इसने मुझे हैरान कर दिया।

पिता धर्मेंद्र को भी थी शराब की लत

बॉबी ने अपने पिता धर्मेंद्र की शराब की लत के बारे में बताते हुए कहा कि मैंने देखा है कि यह क्या कर सकती है। शराब छोड़ने से मुझे किसी भी समय, किसी भी परिस्थिति में शारीरिक और भावनात्मक रूप से मौजूद रहने में मदद मिली है। इससे मेरे परिवार के साथ मेरा रिश्ता सबसे ज्यादा मजबूत हुआ है।

तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद

सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर भड़के विजय वर्मा

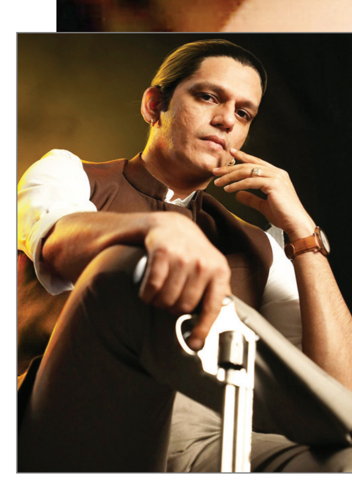

विजय वर्मा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज 'मटका किंग' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एक्टर सीरीज के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसी दौरान विजय वर्मा ने तमन्ना भाटिया से ब्रेकअप के बाद सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग और ऑनलाइन मिलने वाली अनावश्यक नफरत के बारे में खुलकर बात की। एक्टर ने बताया कि इसीलिए उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाने का फैसला भी किया, जिससे उन्हें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने में काफी फायदा मिला।

सोशल मीडिया ट्रोलिंग से परेशान हुए विजय

तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक समय बी-टाउन के सबसे चर्चित कपल बन गए थे। हालांकि, दोनों का रिलेशनशिप ज्यादा लंबा नहीं चल सका और दोनों शांतिपूर्वक एक-दूसरे से अलग हो गए। लेकिन सोशल मीडिया पर दोनों के ब्रेकअप को लेकर काफी चर्चाएं हुईं और दोनों के फैंस ने एक-दूसरे को ट्रोल किया।

'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट् लुक जारी

रानी और संजना का दिखेगा अलग अंदाज

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री रानी चटर्जी और संजना पांडेय जल्द ही आगामी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' में नजर आएंगी। मंगलवार को फिल्म का फर्स्ट् लुक मेकर्स ने जारी कर दिया। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फर्स्ट् लुक पोस्ट किया। इसमें रानी संजना की ओर इशारा करती नजर आ रही हैं। दोनों अभिनेत्रियां साड़ी में बेहद आकर्षक लग रही हैं। संजना पांडेय ने सिर पर पल्लू ओढ़ रखा है, जबकि रानी चटर्जी बिना पल्लू के साड़ी में हैं, जो उनका स्टाइलिश अंदाज दिखाता है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने लिखा, 'भोजपुरी फिल्म 'यूपी वाली, बिहार वाली' का फर्स्ट् लुक।

मंजुल ठाकुर द्वारा निर्देशित फिल्म स्टारकास्ट बड़ी दिलचस्प है। इसमें रानी और संजना के अलावा, प्रशांत सिंह, आलोक सिंह राजपूत, ललित उपाध्याय, विद्या सिंह, स्वेता वर्मा और गोपाल चौहान जैसे स्टार्स नजर आएंगे। फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। फिल्म में दोनों अभिनेत्रियों के बीच हंसी-मजाक और नोकझोंक देखने को मिलेगी। इससे पहले रानी चटर्जी ने शूटिंग के दौरान मुहूर्त की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर शेयर किए थे। उस समय सेट पर दोनों अभिनेत्रियों के बीच मजेदार पल भी देखने को मिले थे। अब फर्स्ट् लुक पोस्टर जारी होने के बाद फैंस फिल्म की रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। भोजपुरी सिनेमा में रानी चटर्जी काफी लोकप्रिय हैं। वे अपनी डांसिंग स्किल्स और बोल्ड रोल्स के लिए जानी जाती हैं। संजना पांडेय भी भोजपुरी फिल्मों में अच्छी पहचान बना चुकी हैं। दोनों अभिनेत्रियों की यह जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी, जिससे फैंस में काफी उत्साह है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।